badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960

भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बढ़ती कलम

बिना फेवर, तीखे तेवर

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्ष: 12 अंक: 39 | गंगापुरसिटी. बुधवार 25 अगस्त, 2021 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

कल्याण सिंह पंचतत्व में विलीन

नरौरा घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान-हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह का आज बुलंदशहर जिले के नरौरा स्थित राजघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इसके लिए उनका पार्थिव देह अलीगढ़ के अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम से अतरौली होते हुए नरौरा के बंशी घाट के लिए निकला। आर्मी के ट्रक में पूर्व सीएम का पार्थिव शरीर रखा गया था। इस अंतिम यात्रा में 2 हजार से ज्यादा गाड़ियां शामिल रही। 7 किलोमीटर तक गाड़ियों का लंबा काफिला चल रहा था। अतरौली स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में गृह मंत्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, प्रहलाद पटेल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह समेत कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। हजारों की संख्या में अलीगढ़ के लोगों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

तीसरी लहर की अधूरी तैयारी पर चेतावनी

गृह मंत्रालय की कमेटी ने सरकार से कहा- कोरोना की इस लहर से बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा, अक्टूबर में पीक होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की तीसरी लहर को लेकर गृह मंत्रालय के एक पैनल ने प्रधानमंत्री कार्यालय को चेतावनी जारी की है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत बनाई गई कमेटी ने अक्टूबर में संक्रमण पीक पर पहुंचने की चेतावनी दी है। कमेटी ने इसका बच्चों पर सबसे बुरा असर पड़ने की बात कही है और अभी से तैयार रहने का अलर्ट दिया है।

पैनल ने अस्पतालों में पूरी तैयारी रखने की हिदायत दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बच्चों के लिए मेडिकल सुविधाएं, वेंटीलेटर, डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस, ऑक्सीजन की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। माना जा रहा है कि तीसरी लहर का ज्यादातर असर बच्चों के साथ युवाओं पर पड़ेगा। ऐसे में इन्हें अभी से सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

बड़ी संख्या में बच्चों का टीकाकरण की करने की जरूरत

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब बच्चों के लिए वैक्सीनेशन शुरू करने की तैयारी चल रही है। कमेटी ने भी बड़ी संख्या में बच्चों का टीकाकरण की करने की जरूरत बताई है। साथ ही कोविड वार्ड को फिर से इस आधार पर तैयार करने की सलाह दी है, जिससे बच्चों के गार्जियन को भी साथ रहने की इजाजत हो।

सितंबर के अंत तक तीसरी लहर का असर शुरू होगा

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर के अंत तक तीसरी लहर अपना असर दिखाना शुरू कर देगी। वहीं, अक्टूबर में देश में हर दिन 5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ सकते हैं। करीब दो महीने तक देश को फिर से परेशानी झेलनी पड़ सकती है। कई राज्यों में लॉकडाउन की जरूरत भी पड़ेगी।

आजाद पंजशीर में जंग के हालात

विद्रोही नेता अहमद मसूद बातचीत को राजी, पर फौज भी तैयार; मुकाबला करने रवाना हुए हजारों तालिबानी

काबुल (एजेंसी)।

पंजशीर घाटी अफगानिस्तान के उन चंद इलाकों में है, जहां अभी तालिबान का कब्जा नहीं हुआ है। यहां विद्रोहियों की अगुआई कर रहे अहमद मसूद के लड़ाके जंग के लिए तैयार हैं। नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट यानी नॉर्दर्न अलायंस को लीड कर रहे मसूद ने कहा कि युद्ध की तैयारी है, पर अगर रास्ता निकालने के लिए बातचीत होती है तो उसके लिए भी तैयार हैं। तालिबान ने भी कहा है कि विद्रोह दबाने के लिए हजारों तालिबानी लड़ाकों को पंजशीर घाटी भेजा गया है। तालिबान ने ट्विटर पर कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से हमें पंजशीर सौंपने से इनकार कर दिया है। इसके बाद हमने वहां कंट्रोल करने के लिए अपने लड़ाके भेजे हैं। तालिबान समर्थक ट्विटर हैंडल से इसका एक वीडियो भी पोस्ट किया गया है।

300 लड़ाकों के मारे जाने की खबर तालिबान ने खारिज की

सूत्रों ने पहले बताया कि पंजशीर के लड़ाकों ने तालिबान पर रास्ते में घात लगाकर हमला किया था और इस हमले में तालिबान के 300 लड़ाकों को मार दिया गया है। हालांकि तालिबान ने लड़ाकों के मारे जाने की खबर को खारिज कर दिया है। तालिबान ने कहा कि पंजशीर के 2 जिलों पर अब उसका कब्जा है।

बीजेपी विधायक को सरकार का दो टूक जवाब- हम लोगों को अच्छी क्वालिटी की शराब देंगे, सरकारी खजाना भरना ही हमारा मकसद

सरकारी बोली-राजस्थान में शराबबंदी नहीं होगी

जयपुर।

राजस्थान सरकार ने साफ कहा है कि राज्य में किसी तरह की शराबबंदी नहीं होगी, क्योंकि सरकार को इससे अच्छी खासी इनकम होती है। विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने साफ कहा है कि वह लोगों को अच्छी क्वालिटी की शराब बेचकर अपना सरकारी खजाना भरना चाहती है। फिलहाल शराब पर पाबंदी लगाने का कोई प्रस्ताव सरकार के स्तर पर विचाराधीन नहीं है। बीजेपी विधायक मदन दिलावर के सवाल का पिछले दिनों लिखित जवाब देते हुए सरकार ने यह कबूलनामा किया है। राजस्थान सरकार पहले भी शराब पर पाबंदी लगाने की जगह मद्य संयम की नीति अपनाने की बात कहती रही है। शराब को लेकर सरकार की मंशा पर इस तरह का खुला जवाब पहली बार आया है, जब सरकार ने मान लिया है कि शराब से ज्यादा से ज्यादा पैसा कमान ही उद्देश्य है। राजस्थान सरकार ने इस साल शराब से 13 हजार करोड़ की आय का टारगेट रखा है। शराब सरकारी आय का बड़ा जरिया है।

भाजपा विधायक ने पूछा था सवाल

बीजेपी विधायक मदन दिलावर का सवाल था, गंभीर हादसे होने के बावजूद भी क्या शराब को पूरी तरह प्रतिबंधित करना उचित और अनिवार्य नहीं है इस पर सरकार ने लिखित जवाब दिया- राज्य में मद्य संयम नीति लागू है। इसके तहत अवैध मदिरा गतिविधियों पर कार्रवाई की जाती है। मदिरा उत्पादों पर नियंत्रण रखते हुए मदिरा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त शराब उपलब्ध कराने के साथ समुचित राजस्व का अर्जन किया जाना उद्देश्य है। वर्तमान में राज्य में शराब को पूरी तरह प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

अब सियासी विवाद तय

सरकार ने जिस तरह का जवाब दिया है, उस पर विवाद होना तय माना जा रहा है। अब तक मद्य संयम की बात करती रही सरकार अब साफ कह रह है कि उसका मकसद अच्छी क्वालिटी वाली शराब बेचकर ज्यादा से ज्यादा पैसा सरकारी खजाने में जमा करना है। नशे के कारोबार से जुड़ी आय पर सरकारें खुलकर बयान देने से बचती रही है, लेकिन विधानसभा सवाल के जवाब से अब खुलेआम ही मान लिया है।

दो साल में ड्रिंक एंड ड्राइव से 73 एक्सीडेंट, 37 मौतें

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण साल 2019 और 2020 में 73 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, इनमें 64 लोग घायल हुए और 37 लोगों की मौत हो गई। शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार लगातार कैंपेन भी चलाती आई है।

शराबबंदी की मांग पर अनशन करते हुए गुरुशरण छाबड़ा की बीजेपी राज में मौत

प्रदेश में शराबबंदी की मांग करते हुए अनशन के दौरान पूर्व विधायक गुरुशरण छाबड़ा की मौत हो गई थी। उस वक्त इस पर खूब सियासी विवाद हुआ था। गुरशरण छाबड़ा की मौत के बाद उनके परिजन अब भी शराबबंदी की मुहिम चलाए हुए हैं। सरकार ने शराबबंदी को लेकर एक कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई थी, जिसने अन्य राज्यों के मॉडल का अध्ययन किया था। सब कमेटी की राय भी शराबबंदी की जगह मद्य संयम रखने की थी। प्रदेश में जगन्नाथ पहाड़िया के मुख्यमंत्री रहते हुए शराबबंदी की थी, लेकिन कुछ महीने बाद ही यह मॉडल फेल हो गया और फैसला वापस लेना पड़ा।

रीट, पटवारी और आरएएस परीक्षा ने बढ़ाई छात्रों की परेशानी

असमंजस में पड़े छात्र बोले- तैयारी के लिए नहीं मिल पाएगा वक्त, सरकार आगे बढ़ाएं आरएएस प्रीलिम्स एग्जाम

जयपुर। राजस्थान में आरपीएससी आरएएस प्रीलिम्स 2021 की तारीख घोषित कर दी है। जिसकी परीक्षा 27 से 28 अक्टूबर को होगी। लेकिन रीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उम्मीदवार आरपीएससी के इस शेड्यूल से संतुष्ट नहीं है। जिसके बाद आरएएस प्रीलिम्स की परीक्षा तारीखों को आगे बढ़ाने की मांग शुरू हो गई है। दरअसल, राजस्थान में लंबे समय से लंबित चल रही रीट परीक्षा 26 सितंबर को होने जा रही है। जबकि 23 और 24 अक्टूबर को पटवारी भर्ती परीक्षा होने वाली है। ऐसे में रीट और पटवारी भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आरएएस एग्जाम की तैयारी के लिए बहुत कम वक्त मिल पाएगा। वहीं आरएएस 2021 भर्ती के लिए फॉर्म फिलिंग की तारीख भी दो सितंबर रखी गई है। अगर वर्तमान में फाइनल ईयर की परीक्षा देने वाले छात्रों की परीक्षा दो सितंबर तक पूरी नहीं हुई, तो वे भी एग्जाम नहीं दे पाएंगे। जबकि इस साल आरएएस 2018 का परिणाम आया है। इसके कुछ समय बाद ही आरएएस2021 भर्ती की घोषणा कर दी गई है। जिसकी वजह से अब छात्र आरएएस परीक्षा को आगे बढ़ाने की मांग करने लगे हैं।

असमंजस में छात्र

रीट भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा सरोज भट्ट का कहना है कि पिछले लंबे समय से सरकार भर्ती परीक्षा का शेड्यूल जारी नहीं किया। वहीं इस साल 1 महीने के अंतराल में ही 3 सरकारी भर्ती परीक्षा होने जा रही है। जिसकी वजह से कंपटीशन एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्र भी असमंजस में आ गए हैं।

टिकट बंटवारे पर रार

विधायकों के बीच घमासान के बाद कांग्रेस प्रत्याशियों को सता रहा भितरघात का डर, पंचायत चुनावों में पार्टी को नुकसान का खतरा

जयपुर। पंचायत चुनावों में टिकट बंटवारे को लेकर जिस तरह कांग्रेस की कलह सामने आई है उसे देखते हुए अब पार्टी प्रत्याशियों को विपक्ष के साथ भितरघात से भी निपटना होगा। टिकट बंटवारे को लेकर कामा में जाहिदा और वाजिब अली, जोधपुर में पूर्व सांसद बद्री जाखड़ और प्रभारी रामलाल जाट के बीच टिकटों को लेकर मनमुटाव सामने आ चुका है। दूदू से निर्दलीय बाबूलाल नागर और कांग्रेस उम्मीदवार रितेश बैरवा के समर्थक आमने-सामने हैं। शाहपुरा से आलोक बेनीवाल की टिकट वितरण में चलने से कांग्रेस उम्मीदवार मनीष यादव नाराज हैं। बस्सी से निर्दलीय विधायक लक्ष्मण मीणा से कांग्रेसी खेमा नाराज है। सिरोही में निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा और कांग्रेस उम्मीदवार जीवनराम आर्य के बीच टकराव है। झगड़े की जड़ परिवारवाद है। कई विधायकों ने अपने परिवार के सदस्यों को टिकट दिलवाए हैं। सबसे ज्यादा विरोध के सुर निर्दलीय और बसपा से कांग्रेस में आने वाले विधायकों के क्षेत्रों में हैं। अब डेमेज कंट्रोल की कवायद शुरू हो गई है। जयपुर, दौसा, जोधपुर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, सिरोही इन 6 जिलों में पंचायतीराज चुनाव हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में कांग्रेस के हारे हुए विधायक के उम्मीदवार टिकट वितरण में नहीं चलने से नाराज हैं।

गफलत में एक ही वार्ड में दो- दो सिंबल बांटने से भी विवाद

पंचायतीराज चुनावों में कई पंचायत समिति और जिला परिषद वार्ड ऐसे हैं जो दो विधानसभा क्षेत्रों में आते हैं। ऐसे क्षेत्रों में टिकटों को लेकर विवाद ज्यादा है। कई जगह गफलत में दो-दो सिंबल बांट दिए। गलती का अहसास होने पर एक सिंबल वापस लिए गए। इस गफलत की वजह से भी विवाद और नाराजगी बढ़ी।

जातीय जनगणना पर पीएमओ में मीटिंग

पटना (एजेंसी)। जातिगत जनगणना को लेकर बिहार के 10 राजनीतिक दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश और राजद लीडर तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नीतीश ने कहा कि हमने बिहार की जातियों के संबंध में प्रधानमंत्री को जानकारी दी है, उन्होंने हमारी बातों को ध्यान से सुना। प्रधानमंत्री ने जातिगत जनगणना की मांग को नकारा नहीं है। तेजस्वी बोले कि जब पेड़-पौधों की गिनती हो सकती है तो जातियों की क्यों नहीं, ये राष्ट्रहित में है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा, पीएममोदी ने बिहार से आए प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों की बातों को सुना है। अब पीएम मोदी को निर्णय लेना है, वह जो भी उचित समझें। जातीय जनगणना पर अभी निर्णय के बारे में कुछ नहीं कह सकता हूं। पीएम ने गंभीरता से सभी को सुना है। इसके लिए उनका आभारी हूं। एक-एक विषय की जानकारी दी गई है। प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने जातीय जनगणना के पक्ष में अपनी बातें रखीं।

राजस्थान में हड़ताल पर सर्राफा व्यापारी

आभूषण पर यूनिक आईडी नंबर का किया जा रहा विरोध, जयपुर में धरने पर बैठे ज्वेलर्स; व्यापारी से लेकर कारीगर तक सभी ने काम रखा ठप

जयपुर। सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग यूनीक आईडी के खिलाफ आज देशभर में सर्राफा व्यापारी हड़ताल पर है। राजधानी जयपुर में भी इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से लगभग 50 हजार व्यापारी, 2 लाख कर्मचारी और 5 लाख कारीगर आज काम नहीं करेंगे।

जिसकी वजह से जयपुर का सराफा व्यापार पूरी तरह से ठप हो चुका है। जिसके विरोध में बड़ी चौपड़ के जौहरी बाजार पर बड़ी संख्या में सर्राफा व्यापारी धरना दे रहे हैं। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा आभूषण पर हॉल मार्किंग यूनिक आईडी का आदेश जारी किया गया था। जिसके तहत हर आभूषण का एक यूनिक आईडी नंबर दिया जाना था। लेकिन सरकार के इस फैसले को लेकर देशभर के व्यापारी विरोध पर उतर आए हैं। जिसका व्यापक असर राजस्थान में भी देखने को मिल रहा है। जयपुर समेत उदयपुर, जोधपुर, कोटा में सर्राफा व्यापारी आज कार्य बहिष्कार कर केंद्र सरकार के फैसले को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

जयपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने बताया कि ज्वेलर्स ने केंद्र सरकार के हॉल मार्किंग के फैसले को स्वीकार कर लिया था। लेकिन हॉल मार्किंग के बाद लागू की गई यूनिक आईडी प्रक्रिया काफी जटिल है। जिसकी वजह से व्यापार पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। मित्तल ने बताया कि मंदी की मार झेल रहे व्यापार पर यूनिक आईडी प्रक्रिया का सीधा असर होगा जिससे पूरा व्यापार ठप होने की संभावना बढ़ जाएगी। ऐसे में अगर सरकार अपने इस फैसले को वापस नहीं लेगी तो देश भर के व्यापारी मजबूरन आंदोलन की राह पर आगे बढ़ेंगे।

तालिबान शासन के बाद ड्राय फ्रूट्स की कीमतों में 40 प्रतिशत का इजाफा

व्यापारियों के करोड़ों रुपए फंसे, कुछ दुकानदार जमाखोरी भी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में बदले हालात और तालिबान शासन का असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। तालिबान ने अफगानिस्तान से होने वाले एक्सपोर्ट और इंपोर्ट पर रोक लगा दी है। इससे भारत के कारोबारी चिंतित हैं। सबसे ज्यादा असर देश के ड्राय फ्रूट के बिजनेस पर हुआ है। भारत में करीब 80 प्रतिशत ड्राय फ्रूट्स अफगानिस्तान से आता है। इसमें किशमिश, बादाम, मुनक्का, अंजीर, अखरोट जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं। अब इनकी कीमतों में तेजी से उछाल आया है। एक हफ्ते के भीतर ड्राय फ्रूट्स 40 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। यानी प्रति किलो 200 से 400 रुपए तक बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली के चांदनी चौक में ड्राय फ्रूट की मंडी है। यह देश की सबसे बड़ी ड्राय फ्रूट की मंडी मानी जाती है। देश के ज्यादातर हिस्सों में ड्राय फ्रूट यहीं से जाता है। शनिवार को जब हम इस मंडी में पहुंचे तो त्योहारों का सीजन होने के बाद भी कुछ खास चहल-पहल नजर नहीं आई। पहले यहां पैर रखने की जगह नहीं होती थी, अब कम लोग ही खरीदारी करते दिख रहे हैं।

आमतौर पर त्योहारों के सीजन में ड्राय फ्रूट की अच्छी-खासी बिक्री होती है, लेकिन इस बार बाजार धीमा है: आमतौर पर त्योहारों के सीजन में ड्राय फ्रूट की अच्छी-खासी बिक्री होती है, लेकिन इस बार बाजार धीमा है। जो लोग मंडी में आए हैं, वे भी काफी तोल-मोल कर ही ड्राय फ्रूट खरीद रहे हैं। जो 5 किलो किशमिश खरीदने के लिए घर से निकले हैं, वे यहां पहुंचने के बाद 2 से 3 किलो ही किशमिश खरीद रहे हैं।

इससे आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि ड्राय फ्रूट के बिजनेस पर तालिबान का कितना असर हुआ है।

जो बादाम पहले 600 रुपए प्रति किलो बिक रहा था, अब 1100 में बिक रहा

पवनदीप सिंह ड्राय फ्रूट कारोबारी हैं। यहीं उनकी अपनी दुकान है। उनके पूर्वज काबुल के ही रहने वाले थे, जो ड्राय फ्रूट के बिजनेस के लिए भारत आए थे और फिर यहीं के होकर रह गए। वे कहते हैं कि अभी जो हालात हैं, वैसे उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखे। जो बादाम 10 दिन पहले 600 रुपए प्रति किलो बिक रहा था, वह अब 1000-1100 रुपए में बिक रहा है। अंजीर सिर्फ और सिर्फ अफगानिस्तान से आता है, इसका रेट पहले 1000 रुपए प्रति किलो था, अब ये एक झटके में बढ़कर 1400 रुपए तक पहुंच गया है। ड्राय फ्रूट रिटेलर कुलवंत सिंह बताते हैं कि- बादाम, किशमिश, अंजीर, मुनक्का जैसे ड्राय फ्रूट के दाम 300-400 रुपए एक झटके में ही बढ़ गए हैं। ग्राहक हैरान है कि अचानक भाव इतने कैसे बढ़ गए। यहां पर जो होलसेलर हैं उनके पास सीमित स्टॉक है। अब वे भी दाम बढ़ाकर धीरे-धीरे बेच रहे हैं। वे कहते हैं कि अब कीमतें और अधिक बढ़ेंगी। हालात तो तभी सुधरेंगे जब अफगानिस्तान में सबकुछ नॉर्मल होगा।

सम्पादकीय

ताकि बढ़े निवेश और रोजगार

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मनाने की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से जो कहा, उसमें कम शब्दों में एक बड़ी बात थी, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी व्यापार करना आसान बनाना। यह सरकार कई साल से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर काम कर रही है, और उन्होंने कहा भी कि देश के व्यापार और उद्योग आज इस बदलाव को महसूस कर रहे हैं। लेकिन इसके बाद उन्होंने कहा कि इस तरह के सुधार सिर्फ सरकार तक सीमित न रहे, बल्कि ग्राम पंचायत और नगर निगमों, नगरपालिकाओं तक पहुंचे, इस पर देश की हर व्यवस्था को मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री की यह बात इसलिए ध्यान देने लायक है, क्योंकि इसमें यह अंतर्निहित है कि सरकार ने भले ही 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' कर दिया हो और बड़े उद्योगपतियों की जिंदगी आसान हो गई हो, लेकिन छोटे व्यापारियों व कारोबारियों को आज भी बहुत सारी रुकावटें झेलनी पड़ रही हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा बाधाएं उन लोगों के सामने हैं, जो नया काम शुरू करना चाहते हैं। पिछले साल लॉकडाउन लगने के कुछ ही समय बाद ऑल इंडिया मैन्युफैक्चर्स ऑर्गेनाइजेशन ने नौ और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर एक देशव्यापी सर्वे किया था। इससे पता चला कि देश में एक तिहाई से ज्यादा छोटे और मध्यम उद्योग बंद होने के कगार पर हैं। व्यापारियों से बात कीजिए, तो उन सबका कहना है कि कोरोना के पहले झटके ने उनकी कमर तोड़ दी थी, जिसके बाद वे किसी तरह सब कुछ समेटकर अपने नुकसान का हिसाब जोड़ ही रहे थे कि दूसरी लहर आ गई। हालांकि, इन दो मुसीबतों के बाद भी आशा का दामन न छोड़ने वाले लोग हैं और उनका कहना है कि कम-से-कम अब वे हर हाल के लिए तैयार तो हैं, क्योंकि उनको लगता है कि कभी भी फिर ऐसी हालत आ सकती है। मैनेजमेंट के जानकारों का भी कहना है कि छोटे हों या बड़े, सभी व्यापारी अब यह सोचकर तैयारी कर रहे हैं कि कोरोना का अगला झटका आ गया, तो काम कैसे जारी रखा जाए। और ऐसा करने में उनके सामने जो दो सबसे बड़ी रुकावटें आती हैं, उनमें से एक है, मांग की कमी, और दूसरा, पैसे की कमी। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'फेसबुक' ने पिछले साल ओईसीडी और विश्व बैंक के साथ मिलकर भारत में छोटे और मंझोले कारोबारियों के बीच एक सर्वे किया था, जिसमें एक तिहाई लोगों ने आशंका जताई थी कि पैसे की व्यवस्था उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होने वाली है। पिछले ही हफ्ते फेसबुक ने ऐसे व्यापारियों को पांच से पचास लाख रुपये तक का लोन दिलवाने की मुहिम भी शुरू की है। हालांकि, इसका फायदा उन्हीं व्यापारियों को होगा, जो फेसबुक या उसके दूसरे एप इंस्टाग्राम, वाट्सएप पर छह महीने तक विज्ञापन दे चुके हों। सवाल यह है कि जिस तरह फेसबुक जैसी बड़ी कंपनी छोटे व्यापारियों के लिए सहारा बनने की सोचती है, क्या देश में आने वाली दूसरी बड़ी कंपनियां भी ऐसा ही कर सकती हैं? यह सवाल इसलिए भी उठता है, क्योंकि पुराने वक्त से यह देखा गया है कि जब कहीं कोई बड़ा कारखाना लगता था, तो उसके आसपास बहुत से छोटे कारखाने, दुकानें, होटल, रेस्तरां, यानी करीब-करीब पूरा बाजार लग जाता था।

> **मैनेजमेंट के जानकारों का भी कहना है कि छोटे हों या बड़े, सभी व्यापारी अब यह सोचकर तैयारी कर रहे हैं कि कोरोना का अगला झटका आ गया, तो काम कैसे जारी रखा जाए।**

कजली तीज : जीवन को संजीवनी और संजीदगी देते त्योहार

गुरू पूर्णिमा के आगमन के साथ ही प्रकृति में नवीन परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं । ग्रीष्म ऋतु के प्रकोप की कमी के साथ - साथ बरसात की ठण्डी फुहारें मानव मन को असीम आनन्द प्रदान करती हैं । इसकी अभिव्यक्ति प्राय: पिकनिक, गोठ तथा कोई व्रत या उत्सव को सामूहिक रूप से मनाकर की जाती है । दैनन्दिन नीरस व श्रम साध्य कार्यो में इन पर्वो से नवजीवन का संचार होता है । लगभग सभी त्यौहारों में गायन - वादन अथवा हर्शोल्लास के द्वारा मनोविनोद किया जाता है । जो मानव जीवन को संजीदगी व संजीवनी देते हैं । राजस्थान में इन त्यौहारों का इसलिए भी महत्व है कि इन अवसरों पर राजा महाराजा प्रजाजनों के सम्पर्क में आकर उन्हें पूर्ण सहयोग दिया करते थे । महिलाओं व कन्याओं के द्वारा किया जाने वाला उपवास 'तीज' भी यहां के प्रमुख पर्वो में से एक है । यहाँ पर श्रावण षुक्ला तृतीया को 'हरियाली तीज' तथा भाद्रप्रद कृश्णा तृतीया को 'कजली तीज' अथा 'सत्तू तीज' के नाम से जाना जाता है । इन्हें क्रमष: 'छोटी तीज' व 'बड़ी तीज' के नाम से भी यहाँ पहचाना जाता हैं ।

यह पर्व वस्तुत: कन्याओं व सुहागिनों के लिए उपवास के रूप में होता है जिसमें क्रमष: सुयोग्य वर की प्राप्ति तथा पति के स्वस्थ व दीर्घायु होने की मंगल कामना निहित होती है । कुमारियां तथा महिलाएं अपने हाथों व पैरों को मेहन्दी मान्डणा से अलंकृत करती हैं । स्त्रियां व कन्याएं नये वस्त्र धारण करती हैं तथा एक दिन पूर्व घरों में विविध पकवान बनाये जाते हैं । कई स्थानों पर माता - पिता अपनी पुत्रियों के ससुराल में सिंजारा (श्रृंगार) वस्त्र आदि भेंट स्वरूप भेजते हैं । अगले दिन तीज का व्रत रखा जाता है ।

'तीज' के त्यौहार के सुअवसर पर अनेक स्थानों पर मेले लगते हैं । इन मेलों में ऊंटों व घोडों की दौड़ विषेश रूप से दर्षनीय होती है । वस्तुत: यह प्राकृतिक त्यौहार है । ज्येश्ठ व आशाढ़ की झुलसाने वाली गर्मी के बाद सावन - भादो की बरसात एक सुखद अनुभूति प्रदान करती है । बरसात के बाद सर्वत्र हरियाली छाई रहती है । कहीं मयूर का मनमोहक नृत्य तथा कूजन तो कहीं कोयल की कुहू - कुहू का मधुर संगीत, साथ ही झूलों की व्यापकता त्यौहार के अनुश्ठान के लिए अत्यन्त सुरम्य वातावरण उपस्थित कर देती है । यह त्यौहार किसानों के खेतों की बुवाई से भी सम्बन्धित है । 'मेह बाबा आया है और सिट्टी फल लाया है ।' इस आनन्दातिरेक को विविध स्थानों पर विभिन्न तरीकों से व्यक्त किया जाता है । प्राचीन लोकगीतों में इन अवसरो हेतु जहाँ एक ओर भाई - बहन का अटूट स्नेह राखी आदि के रूप में प्रतिध्वनित होता है, वहीं मेघों की व्यापक वर्शा परदेष गए हुए पति की वियोगिनी की विरह व्यथा को भी इंगित करता है ।

> **यदि हम प्राचीनकाल के भारत के इतिहास पर दृष्टिपात करे तो हमें ज्ञात होगा कि अनादिकाल से भारतीय संस्कृति की मौलिक परम्परा के अनुसार शक्ति की उपासना की जाती रही है ।**

'कुरजां ए म्हारो भंवर मिला द्यो ए '

'कजली तीज' नामक सांस्कृतिक पर्व को मनाने के पीछे लोक कथाओं तथा पुराणों में परम्परागत रूप से एक कहानी कही जाती है जिसके अनुसार ब्रह्माजी के पुत्र दक्ष प्रजापिता द्वारा आयोजित यज्ञ में उनकी साठ पुत्रियो में से एक पुत्री सती तथा उनके पतिदेव भगवान महादेव को छोड़कर षेश सभी लोगों तथा देवताओं को दूर - दूर से आमन्त्रित किया गया । अत: सती बिना बुलाये ही अपने पिता के घर होने वाले आयोजन में सम्मिलित होने चली गई । परन्तु वहाँ उसका कोई आदर - सत्कार नहीं किया गया । सती अपने व अपने पति के अपमान को सहन नहीं कर सकी व क्रोध के वषीभूत होकर वहीं यज्ञ कुण्ड में अपनी देह को स्वाहा कर दिया । जब महादेव जी को इस घटना की जानकारी मिली तब उन्होंने अपनी जटा पटक कर वीरभद्र नामक पुरूश को उत्पन्न किया जिसने दक्ष प्रजापति सहित अनेक देवताओं का विध्वंस कर डाला । तत्पष्चात् महादेव जी यज्ञ कुण्ड के पास आये जिसमें सती ने अपनी देह को भस्मीभूत किया था । उस कुण्ड में से चार देवियां उत्पन्न हुई । एक मुख से जो ज्वालामुखी हुई, उसका स्थान उत्तर में स्थापित किया गया । दूसरी कामाख्या देवी हुई, उसकी स्थापना पूर्व में कामरू देष में हुई, तीसरी देवी तुलता देवी हुई, जिसकी पष्चिम में स्थापना हुई । उस दिन महादेवजी कहते हैं कि यह भाद्रप्रद की कृश्णा तीज का दिन है इसलिए इस तीज का नाम 'काजली तीज' है, जो स्त्रियां यह व्रत करेंगी वे सौभाग्यवाली होंगी, रूपवती होंगी, लक्ष्मीवती होंगी तथा बेटे, पोते व पड़पौत्र देखेंगी । अपने कुटुम्ब का बहुत सुख लाभ करेंगी ।

तब से लेकर आज तक इस सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करते हुए स्त्री समुदाय (विषेश रूप से राजस्थान में) बहुत महत्व देकर भाद्रप्रद कृश्णा तीज को कजली तीज का व्रत करती है । पूरे दिन उपवास रखने के बाद संध्या काल के पष्चात् 'कजली माता' की पूजा की जाती है तथा चन्द्र दर्षन के बाद सत्तू व फलाहार द्वारा व्रत खोला जाता है ।

यदि हम प्राचीनकाल के भारत के इतिहास पर दृश्टिपात करे तो हमें ज्ञात होगा कि अनादिकाल से भारतीय संस्कृति की मौलिक परम्परा के अनुसार षक्ति की उपासना की जाती रही है । यहाँ जगत् नियन्ता परमात्मा की पिता के रूप में तथा देवी भगवती की आराधना माता के रूप में की जाती हैं । वैदिक संस्कृति में भी देवी की व्यापकता व सर्वषक्तिमश्रा बताई गई है । वह विविध रूप धारिणी है । मूल रूप से ब्राह्मी षक्ति ही है जिसके अन्तर्गत सभी नाम व रूप एकीकृत हो जाते हैं ।

हमारे पूर्वजों ने मातृषक्ति के रूप में इन देवियों की पूजा - अर्चना को महत्व दिया । जिससे मनुश्य अपनी तामसिक प्रवृश्रियों को त्यागकर ईष्वरीय सत् षक्ति धीरे - धीरे आत्मसात् कर सके । अध्यात्म विज्ञान का यही मुख्य प्रयोजन है ।

इस प्रकार 'कजली माता' की पूजा और साधना भी कन्याओं और महिलाओं के लिए आध्यात्मिक कायाकल्प की एक वैज्ञानिक प्रणाली है । इस प्रकार की सामर्थ्य षक्तियों को प्राप्त करने से घर में ऋद्धि सिद्धि का चिरन्तन काल तक वास रहेगा । इसमें कोई अत्युक्ति नहीं है ।

इस व्रत के अनुश्ठान से जन मानस सामूहिक रूप से एक सूत्रता में आकद्ध होकर सामाजिक उन्नति में सहायक होते हैं । मानव समाज की चहुंमुखी उन्नति हेतु यह आवष्यक है कि इस प्रकार की आध्यात्मिक भावनाओं रूपी दिव्य तत्वों को हम आत्मसात् करें । तभी धर्म, अर्थ, कर्म तथा भक्ति की मन्दाकिनी अजस्त्र रूप से प्रवाहित होकर हम सबको पुनीत कार्यो में लगाकर देष के विकास में सहयोगी बना सकेगी ।

लेखिका

अधूरी रही रामलला के दर्शन की इच्छा

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह (89) का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को लखनऊ में निधन हो गया। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख नायकों में शुमार भाजपा नेता कल्याण सिंह के निधन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने शोक जताया है। उत्तर प्रदेश में उनके निधन पर तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। सोमवार को बुलंदशहर के नरौरा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पिछड़े लोध समाज से आने वाले सिंह जमीन से जुड़े राजनेता थे। कुशल प्रशासक होने के साथ ही विराट व्यक्तित्व के स्वामी थे। प्रदेश के विकास में उन्होंने अमिट योगदान दिया। राम मंदिर आंदोलन का जिक्र उनका नाम लिये बिना अधूरा रहेगा। छह दिसम्बर 1992 को जब अयोध्या में विवादित ढांचा ढहाया जा रहा थाग् तो वह मुख्यमंत्री आवास में मौजूद थे। विचलित तो थे लेकिन जैसे ही विवादित ढांचे की आखिरी इफट गिरी उन्होंने तत्काल अपना सीएम वाला राइटिंग पैड़ मंगाया और मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा लिख भेजा। आवास से बाहर आए और कहा कि उनकी सरकार राम के नाम पर ही बनी थी और राम मंदिर के लिए ऐसी कई कुर्सियां त्याग सकता हूं। विवादित ढांचा न बचा पाने के लिए उन्हें एक दिन की सजा सुनाई गई। दरअसलग् उस समय परिस्थितियां ऐसी बन गई थीं कि कारसेवकों की भावनाओं के ज्वार के सामने विवादित ढांचा टिक न सका। हालांकि संविधान की शपथ लेने के बावजूद वह विवादित ढांचे को बचा पाने में विफल रहे। पार्टी कार्यकर्ता उन्हें प्यार से बाबूजी कहकर पुकारते थे। उनकी ऐसी ही छवि समाज के उन करोड़ों वंचितों किसानों युवाओं और महिलाओं के मन-मस्तिष्क में भी अमिट रहेगी जिनके सशक्तिकरण के लिए उन्होंने सतत प्रयास किया। कल्याण सिंह का जन्म 5 जनवरी 1932 में अलीगढ़ जिले में अतरौली तहसील के मढ़ौली गांव में किसान परिवार में हुआ था। वह बचपन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। राजनीति में पदार्पण किया तो पिछड़ों के बड़े नेता के रूप में उभरे। अस्सी के दशक में मंड़ल राजनीति के दौर में पिछड़े वोट बैंक को भाजपा के पक्ष में करने का श्रेय उन्हें ही जाता है। राम मंदिर आंदोलन से तन्यमता से जुड़े लेकिन भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन की उनकी इच्छा अधूरी रह गई।

प्रशासनिक दक्षता के पर्याय थे कल्याण सिंह

वर्ष 1857 में स्वतंत्रता के पहले संग्राम में जो भूमिका नाना साहेब पेशवा की रही या अयोध्या आंदोलन में बैरागी साधुओं ने जिस प्रकार जान हथेली पर रखकर संघर्ष किया, नियति ने रामजन्मभूमि अभियान के लिए कुछ वैसा ही चुनाव कल्याण सिंह का किया। रामजन्मभूमि आंदोलन को निर्णायक गति देने की राह में भारत की सुप्त आत्मा को जगाने में कल्याण सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूं तो देश में तमाम राजे-महाराजे और प्रबल प्रतापी नेता हुए, लेकिन समय के साथ इतिहास के पन्नों में कहीं खो गए, परंतु अयोध्या में राम मंदिर की ध्वज पताका के साथ ही कल्याण सिंह की कीर्ति भी सदैव के लिए अक्षुण्ण रहेगी। दरअसल वक्त की सुई जिसे मोती बनाना चाहती है, सीपी में वही स्वाति की बूंद समाती है। संपत्ति, सत्ता मद, हजारों-लाखों की भीड़ के आगे जिन लोगों ने अपना विवेक खोकर भारतीय आत्मा के साथ छल और विश्वासघात किया वे तो इतिहास में गुम हो गए, लेकिन कल्याण सिंह ने रामचरणानुराग को जीवन का ध्येय बनाया तो अमर हो गए। उनका यह कथन सदैव याद रहेगा कि 'जो राम का नहीं, वो काम का नहीं।' उनके भाषणों में एक पंक्ति सदा दोहराई जाती थी कि 'यह राम जी का देश है, अयोध्या राम जी की नगरी है। वहां उनका मंदिर नहीं बनेगा तो क्या सऊदी अरब में बनेगा?' अयोध्या आंदोलन के दौरान विवादित ढांचे के साथ जो कुछ हुआ, उसकी जिम्मेदारी लेने के लिए कल्याण सिंह पूरी तरह तैयार थे। वह कठिन परिस्थिति में भी उत्तेजित नहीं होते थे। अयोध्या में मुलायम सिंह के अहंकार के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा था कि 'इसका हश्र अच्छा नहीं होगा। मंदिर तो बनेगा ही, लेकिन यह सब अहंकारी नेता इतिहास के हाशिये पर भी नहीं दिखेंगे।' ठीक ऐसा ही हुआ। विवादित ढांचा गिरने पर एक पक्ष कहता था कि इसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव का अनिर्णय जिम्मेदार था, लेकिन कल्याण सिंह जी का कहना था कि 'यह तो होना ही था। राव या कोई और भावी के नियंता नहीं।' उनकी रहस्यमयी मुस्कान सब कह जाती थी। दरअसल तब अयोध्या में लगातार कारसेवकों का तांता लगने लगा था। जन्मभूमि के

> **कल्याण सिंह ने राम काज के अधूरे अध्याय को पूर्णता की ओर मोड़ दिया और नवीन इतिहास के सृजक बन गए। रामजन्मभूमि आंदोलन को निर्णायक गति देने की राह में भारत की सुप्त आत्मा को जगाने में कल्याण सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।**

इर्दगिर्द कितने एकड़ जमीन कारसेवकों को कारसेवा के लिए दी जाए, इस पर राव निर्णय नहीं कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरकार्यवाह रज्जू भैया कारसेवकों के भाव पढ़कर किसी भी आकस्मिकता से बचाव के लिए चाहते थे कि दो एकड़ भूमि पर उन्हें कारसेवा की अनुमति दे दी जाए। वहीं विहिप अध्यक्ष अशोक सिंघल एक नवीन हिंदू ज्वर के उत्कर्ष के वास्तुकार बन गए थे। उधर लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में सोमनाथ से अयोध्या रथयात्र का तूफानी दौरा देश में राम काज की अद्भुत लहर पैदा कर रहा था। इस बीच कांग्रेस दोहरा खेल खेल रही थी। रामजन्मभूमि के विरुद्ध मुस्लिम भावनाएं भड़काते हुए बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी, समाजवादी और वामपंथी दल समाज को तोड़ो और वोट जोड़ो की उसी पुरानी नीति की राह पर थे। ऐसी स्थिति में उत्तर प्रदेश में किसी भी कमजोर मुख्यमंत्री के रहते संपूर्ण रामजन्मभूमि आंदोलन पटरी से उतर सकता था। तब कल्याण सिंह ने दिल्ली में राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री राव की उपस्थिति में दो-टूक कहा था कि 'कुछ भी हो जाए मैं कारसेवकों पर गोली नहीं चलाऊंगा। मेरी सरकार राम काज के लिए, रामजन्मभूमि के लिए आई है। मैं उसके विरुद्ध कैसे जाऊंगा? सरकार जाती है तो जाए। मैं जो ठान चुका हूं उससे नहीं डिगूंगा।' वे कभी डिगे भी नहीं। उन्होंने देश के नेताओं को सिखाया कि नेता को प्रशासनिक अधिकारियों पर दोष डालकर बचना नहीं चाहिए। अयोध्या आंदोलन के बाद उनका स्पष्ट बयान था कि 'किसी भी अधिकारी का कोई दोष नहीं, जो भी निर्णय लिए गए वे मेरे थे। कार्रवाई करनी है तो मुझ पर कीजिए।' इस प्रकार कल्याण सिंह ने राम काज के अधूरे अध्याय को पूर्णता की ओर मोड़ दिया और एक नवीन इतिहास के सृजक बन गए। वह कुल तीन-चार घंटे ही नींद लेते थे। अक्सर कहते थे कि 'सघन थकावट में भी यदि तीन चार मिनट कुर्सी पर ही झपकी ले लूं तो तरोताजा हो जाता हूं।' उनके मुख्यमंत्री रहते समय उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार पर अंकुश था, गुंडागर्दी और नकल पर रोक लग गई थी, पुलिस का राजनीतिकरण खत्म हो गया था, विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिला था, ढांचागत सुविधाओं के लिए विशेष बजट का प्रविधान किया गया था, महिलाओं की सुरक्षा और सभी वर्गों में प्रशासन के प्रति एक विश्वास का भाव जगा था। उनके विरोधी भी उनकी इस प्रतिभा और कठोर अनुशासनप्रियता के प्रशंसक थे। कल्याण सिंह की सरलता और निश्छलता सबका मन मोह लेती थी। एक बार बेंगलुरु में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई थी। सायंकालीन बैठक के बाद मैंने उनसे कहा कि यहां एक स्वदेशी इडली वाला है-मावल्ली टिफिन रूम (एमटीआर)। उसकी इडली नहीं खाए तो बेंगलुरु आना अधूरा है। वह तुरंत राजी हो गए। हम उनके साथ एमटीआर गए। उन्हें देखकर भीड़ जमा हो गई। उन्होंने निश्चिंत भाव से इडली खाई। रेस्तरां के मालिक से भी बात की और तारीफ करते हुए लौटे। एक बार देहरादून में उनकी भव्य शोभा यात्र निकल रही थी। उन्हें पता चला कि मेरी माता जी अस्वस्थ हैं। उन्होंने शोभायात्र बीच में ही रोक दी। मेरे घर गए। माताजी का हाल पूछा। फिर शोभा यात्र शुरू कर दी। हमारे जैसे कार्यकर्ताओं के पास उनके ऐसे सैकड़ों संस्मरण होंगे। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी विचारभेद को, मतभेद को मनभेद में नहीं बदलने दिया। कुल मिलाकर कल्याण सिंह जी सबसे बिना पूर्वाग्रह के साथ व्यवहार करने वाले, लेकिन देश और धर्म के प्रति हिमालय के समान दृढ़ रुख अपनाने वाले महानायक थे।

दुनिया पर बढ़ता कट्टरता का खतरा

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के दिख सकते हैं दुष्परिणाम

हर गुजरते दिन के साथ यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के दुष्परिणाम इस देश के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों में भी देखने को मिल सकते हैं। इसका कारण यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत से दुनिया भर के इस्लामिक आतंकी संगठनों का दुस्साहस बढ़ा है और वे अपने दुस्साहस का प्रदर्शन भी कर रहे हैं। भारत और खासकर कश्मीर में ऐसे संगठन उत्साहित हो रहे हों तो हैरानी नहीं। वैसे भी यह शुभ संकेत नहीं कि भारत में मुख्यधारा के कई लोग तालिबान की तारीफ करने में लगे हुए हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ऐसे लोग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से चरमपंथी संगठनों को उकसाने में भी जुट गए हैं। पिछले दिनों ही महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर की तुलना अफगानिस्तान से कर दी। उनके अलावा कई अन्य ऐसे लोग भी सामने आ गए हैं जिन्हें तालिबान में कोई खामी नहीं दिखती। भारत सरकार को विषवमन कर रहे इन तत्वों से सावधान रहने के साथ ही यह भी देखना होगा कि पाकिस्तान की सरकार और उसकी सेना अफगानिस्तान में उपजे हालात का फायदा उठाकर कश्मीर में आतंकवाद को नए सिरे से भड़काने की कोशिश न करने पाए। भारत सरकार इस तथ्य को ओझल नहीं कर सकती कि कश्मीर में आतंक मचाते रहे जैश और लश्कर जैसे आतंकी संगठन तालिबान के सहयोगी हैं। इसी तरह सच्चाई यह भी है कि कश्मीर में सबसे खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के झंडे लहराने वाले सक्रिय रहे हैं। बीते कुछ समय से ऐसे संगठन अवश्य ही दुबके दिख रहे हैं, लेकिन वे बीच-बीच में सिर उठाने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे संगठनों को तालिबान ने एक नई ताकत दी है और वे पूरे विश्व में शरिया आधारित शासन व्यवस्था जबरन लागू करना चाहते हैं। यदि विश्व समुदाय यह नहीं चाहता कि चरमपंथी इस्लामिक संगठनों का दुस्साहस बढ़े तो उसे उनके खिलाफ सख्ती के साथ पेश आने के साथ-साथ तालिबान के प्रति भी कठोर रवैया अपनाना होगा। इस रवैये का परिचय भारत सरकार को भी देना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि कश्मीर में आतंकवाद के नए सिरे से सिर उठाने की आशंका बढ़ गई है। इस आशंका के चलते भारत को कहीं अधिक सतर्कता बरतनी होगी-न केवल सुरक्षा के मोर्चे पर, बल्कि सामाजिक मोर्चे पर भी। केंद्र सरकार के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर प्रशासन को राज्य के उन लोगों के बीच अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी जिनकी नाराजगी का लाभ आतंकी संगठन उठा सकते हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यह जो कहा कि इस राज्य के बारे में भ्रांतियों को दूर करने की जरूरत है उसकी पूर्ति किए जाने का समय आ गया है।

STUDENT CORNER

सीडीएस परीक्षा के लिए आवेदन का आज अंतिम दिन

जयपुर (कासं)। सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (सीडीएस) के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 24 अगस्त 2021 है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सीडीएस परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया 4 अगस्त 2021 से शुरू की गई थी। उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि सीडीएस परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन दो चरणों में पूरा होना है और दोनो ही चरणों को उम्मीदवारों को कल शाम 6 बजे तक कर लेना होगा। ऐसे में उम्मीदवारों को वर्ष 2021 की दूसरी सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए जल्द से जल्द आवेदन कर लेना चाहिए, क्योंकि अंतिम क्षणों में यूजर्स की अधिक संख्या के चलते अप्लीकेशन पेज पर तकनीकी समस्या होने की संभावना रहती है। संघ लोक सेवा आयोग की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए आवेदन उम्मीदवार यूपीएससी पोर्टल पर कर सकते हैं। वहीं उम्मीदवारों को आयोग द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की संख्या सीमित रखी जानी है और केंद्र का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किया जाना है। यूपीएससी सीडीएस परीक्षा के अंतर्गत आईएमए के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक में डिग्री या समकक्ष योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। वहीं, आईएनए के भारतीय नौसेना अकादमी में दाखिले के लिए इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए और वायु सेना अकादमी के लिए 10+2 स्तर पर गणित व भौतिकी विषयों के साथ स्नातक या इंजीनियरी में स्नातक होना चाहिए। उम्मीदवारों को आयु सीमा की शर्तों को भी पूरा करना होगा।

12 सेंट्रल यूनिवर्सिटीज में प्रवेश के लिए आवेदन 1 तक

जयपुर (कासं)। देश के 12 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एडमिशन के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एंट्रेंस एग्जाम कराने वाला है। इसका नाम है सेंट्रल यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसीईटी)। इसके जरिये सभी 12 सेंट्रल यूनिवर्सिटीज़ में विभिन्न यूजी, पीजी और इंटीग्रेटेड कोर्सेज़ में एडमिशन लिए जाएंगे। क्लास 12 पास करने वाले स्टूडेंट्स हों या ग्रेजुएशन पूरा कर चुके युवा अपनी पसंद के कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एनटीए ने सीयूसीईटी 2021 के लिए एप्लीकेशन फॉर्म जारी कर दिया है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया गत 16 अगस्त से शुरू की जा चुकी है । अप्लाई करने की अंतिम तारीख 1 सितंबर 2021 रात 11.50 बजे तक है। एप्लीकेशन फीस भरने के लिए 2 सितंबर 2021 रात 11.50 बजे तक का समय होगा। सीयूसीईटी ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म का लिंक आगे दिया गया है। यह परीक्षा 15, 16, 23 और 24 सितंबर 2021 को देश के विभिन्न शहरों में ऑनलाइन मोड पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा 2 घंटे की होगी, जिसमें मल्टीपल च्वाइस क्वेशंस पूछे जाएंगे।

5 सितंबर तक मांगे आवेदन, यूजीसी नेट 6 अक्टूबर को

6 सितंबर तक जमा होगा परीक्षा शुल्क

जयपुर (कासं)।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यूजीसी नेट अक्टूबर एग्जामिनेशन 2021 के लिए दोबारा आवेदन मांगे हैं। योग्य अभ्यार्थी 5 सितंबर 2021 तक नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नेट के लिए आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। एनटीए की ओर से हाल ही में जारी किए गए नोटिफिकेशन के मुताबिक योग्य अभ्यार्थी 5 सितंबर 2021 तक ऑनलाइन आवेदन कर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। आवेदन शुल्क 6 सितंबर तक जमा करवाना होगा साथ ही 7 से 12 सितंबर तक आवेदन फॉर्म में करेक्शन किया जा सकेगा। नेट परीक्षा इसी साल 6 अक्टूबर को होगी।

आवेदनः आयु सीमा नहीं

किसी भी संकाय से 55 फीसदी अंकों के साथ मास्टर डिग्री हासिल कर चुके अभ्यार्थी नेट के लिए आवेदन कर सकते है। जीआरएफ के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की अधिकतम उम्र 30 साल है, जबकि नेट के लिए कोई सीमा नहीं।

इतना है आवेदन शुल्क

जनरल कैटेगरी के अभ्यर्थियों को एक हजार रुपए आवेदन शुल्क देना होगा। ओबीसी और ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपए है। जबकि एससी एसटी और दिव्यांगों के लिए यह शुल्क 250 रुपए है।

ऐसे कर सकते हैं आवेदन

यूजीसी नेट के लिए आवेदन करने के लिए अभ्यार्थी को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। यहां नेट के आवेदन से संबंधित लिंक पर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

आईसीएआर ने बदले प्रवेश परीक्षा मानदंड

गैर मान्यता प्राप्त कॉलेज विद्यार्थी भी प्रवेश परीक्षा में होंगे शामिल

पीजी और पीएचडी कोर्सेस में प्रवेश का मामला

जयपुर (कासं)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पोस्ट ग्रेजुएट और डॉक्टोरल कोर्सेस में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए आवश्यक योग्यता मानदंड में संशोधन किया गया है। इन प्रवेश परीक्षाओं को आयोजित करने वाली बॉडी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में पूर्व निर्धारित पीजी और पीएचडी कोर्सेस में प्रवेश के लिए आईसीएआर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार पात्रता मानदंडों में किए गए संशोधन को अधिसूचित करते हुए नोटिस सोमवार को जारी किया।

एनटीए की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, कोविड-19 महामारी की स्थिति और आवेदक विश्वविद्यालयों पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, आईसीएआर ने निर्णय लिया है कि उन गैर-मान्यता प्राप्त कॉलेजों / कार्यक्रमों के छात्र-छात्राएं, जहां के लिए स्व-अध्ययन रिपोर्ट (एसएसआरएस) 17 अगस्त 2021 को या उससे पहले परिषद को प्रस्तुत की गई है, को शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए एनटीए द्वारा आयोजित एआईईईए में उपस्थित हो सकते हैं। इन प्रकार 36 निजी कॉलेजों सहित 48 और विश्वविद्यालयों के छात्र अब आईसीएआर स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट प्रवेश परीक्षा में भाग ले सकते हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पोस्ट ग्रेजुएट और डॉक्टोरल कोर्सेस के साथ-साथ यूजी कोर्सेस के लिए दाखिले के लिए आयोजित किये जाने वाले ऑल इंडिया एंट्रेंस एग्जामिनेशन फॉर ऐडमिशन (एआईईईए) 2021 के लिए आवेदन प्रक्रिया 25 जुलाई को शुरू हुई थी। जहां यूजी कोर्सेस के लिए आवेदन आज समाप्त हो रहे हैं तो वहीं पीजी और पीएचडी के लिए आवेदन 27 अगस्त 2021 तक किये जा सकेंगे। यूजी प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 1 सितंबर को और अन्य के लिए 7 सितंबर को जारी होंगे। एआईईईए यूजी 2021, एआईईईए पीजी 2021 और एआईईईए पीएचडी 2021 प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में किया जाना है। इन परीक्षाओं के प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं, जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होते हैं।

डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन कोर्सेस के लिए आवेदन 31 तक

जयपुर (कासं)। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने ओडीएल और ऑनलाइन प्रोगाम संचालन के लिए एनओसी प्रदान करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। एआईसीटीई की ओर से जारी आधिकारिक नोटिस के अनुसार, केंद्रीय या राज्य के वे निजी विश्वविद्यालय हैं, जिन्होंने ओडीएल/ ऑनलाइन पाठ्यक्रम चलाने के लिए यूजीसी के लिए आवेदन किया है और वे एआईसीटीई से एनओसी लेना चाहते हैं, उन्हें एआईसीटीई वेब पोर्टल पर लॉगिन क्रेडेंशियल प्राप्त करना होगा। यूनिवर्सिटी ध्यान दें कि एनटीए ने यह नोटिस मैनेजमेंट, कंप्यूटर एप्लीकेशन्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस, लॉजिस्टिक एंड ट्रैवल एंड टूरिज्म के लिए जारी किया है। वहीं शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए इन कोर्सेज संचालन करने की लास्ट डेट 31 अगस्त, 2021 है।

डॉ.अनुराग शर्मा बने कॉमर्स कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय प्रशासन ने आदेश जारी कर व्यावसायिक प्रशासन विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ.अनुराग शर्मा को कॉमर्स कॉलेज का वाइस प्रिंसिपल नियुक्त किया है। डॉक्टर शर्मा के पदभार ग्रहण के दौरान कॉमर्स कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दिलीप सिंह समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

पौधरोपण के बाद ली संरक्षण की जिम्मेदारी

जयपुर (कासं)। सूर्या फाउंडेशन का आदर्श गांव योजना के तहत देश के 18 राज्यों में कार्ययुक्त 400 गांव में पौधरोपण के साथ रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इसमें नीम, बरगद, पीपल आदि पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधा गया और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी गांव के लोगों को दी। नटलालपुरा में क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा की उपस्थिति में गणेश नारायण शर्मा, सोनू शर्मा, सूरज सेन, राजेंद्र शर्मा, नाथू शर्मा आदि ने मिलकर नीम के पौधे लगाए।

सिंधुपति दाहिर सेन का जयंती समारोह 25 को

जयपुर (कासं)। राजस्थान सिंधी अकादमी, जयपुर के सहयोग से ज्योति कला संस्थान द्वारा सिंधुपति दाहिर सेन जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तिगत एवं कृतित्व मूल्यों, राष्ट्र रक्षा में उनकी भूमिका को स्मरण करते हुए युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयता की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से दिनांक 25 अगस्त को राधा गोविंद सर्वेश्वर मंदिर, विनोबा विहार, मॉडल टाउन, मालविया नगर में सायं 5 बजे एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक महेश किशनानी ने बताया की इस आयोजित कार्यक्रम में महाराजा दाहिर सेन की जीवनी पर प्रकाश एवं राष्ट्र रक्षा में उनकी भूमिका, चित्रकला, वाद विवाद, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं देश भक्ति गीतों के माध्यम से उनको याद किया जाएगा।

3 माह प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर

आरपीएससी : आरएएस, सब इंस्पेक्टर सहित होंगी कई परीक्षाएं

जयपुर (कासं)।

राजस्थान लोक सेवा आयोग सहित राज्य के लाखों अभ्यर्थियों के लिए सितंबर से नवम्बर काफी अहम रहेंगे। आयोग लगातार तीन माह तक कई अहम भर्ती परीक्षाओं का आयोजन करेगा। इनमें आरएएस, सब इंस्पेक्टर सहित अन्य परीक्षाएं शामिल हैं। भर्ती परीक्षाओं के बाद अभ्यर्थियों को साक्षात्कार, शारीरिक दक्षता और अन्य प्रक्रिया के जरिए खुद की श्रेष्ठता साबित करनी होगी। इसके बाद उन्हें नौकरियां मिलेंगी।

आयोग 13 से 15 सितंबर तक दो पारियों में राज्य के सभी संभाग मुख्यालयों पर उप निरीक्षक-प्लाटून कमांडर (गृह विभाग) पुलिस प्रतियोगी परीक्षा-2021 का आयोजन करेगा। उप निरीक्षक (एपी) के नॉन टीएसपी क्षेत्र में 663 और टीएसपी के 81 पद शामिल है। जबकि उप निरीक्षक (आईबी) के तहत नॉन टीएसपी के 63,और टीएसपी क्षेत्र में 1, तथा प्लाटून कमांडर (आरएसी) में नॉन टीएसपी के 38 और उप निरीक्षक (एमबीसी) के टीएसपी क्षेत्र के 11 पद शामिल हैं।

सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2020 का आयोजन 22 सितंबर से 9 अक्टूबर तक किया जाएगा। परीक्षा दो पारियों में राज्य के सभी संभाग मुख्यालयों पर होगी। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, जूलॉजी, बॉटनी, इतिहास, अर्थशास्त्र, ईएएफएम, एबीएसटी सहित 31 विषय शामिल हैं।

इसके साथ ही प्रधानाध्यापक प्रवेशिका विद्यालय (संस्कृत) प्रतियोगी परीक्षा-2021 का आयोजन 11 अक्टूबर को सुबह 9 से 12 और दोपहर 2 से 4 बजे तक होगा। परीक्षा अजमेर जिला मुख्यालय पर कराई जाएगी। वहीं लेक्चर (आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति) प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन 11 से 13 नवम्बर तक होगा।

आरएएस प्रारंभिक परीक्षा-988 पद

आरएएस एवं अधीनस्थ सेवाएं (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा सीधी भर्ती)-2021 की प्रारंभिक परीक्षा 27 और 28 अक्टूबर को होगी। राज्य सेवा में 363 और अधीनस्थ सेवाओं में 625 पद शामिल हैं। परीक्षा के ऑनलाइन फॉर्म 2 सितंबर को रात्रि 12 बजे तक भरे जाएंगे। परीक्षा का सिलेबस जारी हो चुका है।

पं. लक्ष्मण शर्मा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आज

जयपुर (कासं)।

प्रदेश के वरिष्ठ एवं ख्यातनाम तबला वादक व जयपुर निवासी पंडित लक्ष्मण शर्मा के हाल ही में हुए निधन से प्रदेश के कला जगत में शोक की लहर है। पं. शर्मा के गोपालपुरा स्थित निज निवास पर मंगलवार की शाम श्रद्धांजलि सभा के दौरान संगीत कार्यक्रम एवं कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर संगीत जगत से जुड़े राष्ट्रीय स्तर के कई कलाकार भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में पं. शर्मा की दिवगंत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पं. शर्मा का जीवन तबला वादन को समर्पित रहा और जिसका लोहा संगीत जगत के कलाकार भी काफी शिद्दत से मानते थे।

कोरोना काल में योगदान देने वालों का किया सम्मान

जयपुर (कासं)। श्याम अनमोल परिवर सेवा संस्था का वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह सीकर रोड स्थित एक रिसोर्ट में सोमवार को मनाया गया। इस कार्यक्रम में कोरोना काल में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों को माला, दुपट्टा एवं उपहार देकर सम्मानित करने के साथ ही नए सदस्यों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष बसंत जलेवा व सचिव आशीष अग्रवाल ने गत वर्ष में किए गए सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी और आगामी सत्र में किए जानेवाले सेवा कार्यों के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम में कई खेल व अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

'मूर्तिशिल्प' सेशन में सीखी मूर्ति बनाने की कला

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केंद्र की ओर से सोमवार को आयोजित 'मूर्ति शिल्प' ऑनलाइन सेशन में प्रतिभागियों ने मूर्तिकार लोकबंधु सोमपुरा से मूर्तियां बनाने की कला सीखी। सोमपुरा ने डूंगरपुर के वागड़ क्षेत्र के अद्वितीय पारेवाश् पत्थर का उपयोग करके मूर्तियां बनाना सिखाया। यह सेशन जूम पर और जेकेके के फेसबुक पेज पर लाइव प्रसारित किया गया। सेशन 'मूर्ति शिल्प' में उपयोग किए जाने वाले औजारों और सामग्री एक मूर्ति बनाने की चरण-दर-चरण प्रक्रिया और कला रूप के लिए आवश्यक विभिन्न मशीनों के बारे में बताने पर केंद्रित था।

उन्होंने अर्धनिर्मित एक मूर्ति में डीटेलिंग का कार्य करने का प्रदर्शन किया। उन्होंने मूर्ति में चेहरे की विशेषताओं जैसे कि आंखें, नाक, होंठ और भौहों को उकेरने के लिए छैनी, डिवाइडर और हथौड़े जैसे कई तरह के औजारों का इस्तेमाल किया। उन्होंने समझाया कि पारेवा पत्थर गर्मी, सर्दी या बारिश जैसे किसी भी पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित नहीं होता है। यह एक नरम काला पत्थर है जिस पर उंगलियों से भी काम किया जा सकता है। यह सफेद संगमरमर से काफी सस्ता है। सबसे पहले, मूर्ति का चित्रण कागज पर किया जाता है। फिर इसे पत्थर पर लगाकर मूल स्ट्रक्चर को उकेरा जाता है। इसके बाद चेहरे की विशेषताओं, आभूषण और शरीर के अंगों जैसी अन्य डीटेलिंग जोड़ने के लिए औजारों और मशीनरी का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि एक बार मूर्ति बनाने का कार्य समाप्त हो जाने के बाद, इसे सैंडपेपर और पानी से पॉलिश किया जाता है। एक छोटी मूर्ति को पूरा करने में एक से दो दिन लग सकते हैं जबकि एक बड़ी मूर्ति को बनाने में एक सप्ताह या उससे अधिक समय लग सकता है, यह उसके आकार पर निर्भर करता है। डूंगरपुर की मूर्तियां देशभर के मंदिरों में और यहां तक कि विदेशों में भी पाई जा सकती हैं।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् ने उठाया बच्चों को क्रिएटिविटी से जोड़ने का बीड़ा, बच्चों को दिए जाएंगे आर्ट किट

बालसभा में एग्जिबिट होगी घर में बंद बच्चों की क्रिएटिविटी

जयपुर (कासं)।

कोविड के कारण बच्चों का स्कूल से सीधे जुड़ाव नहीं हो पाया और क्लास रूम एक्टीविटीज नहीं हो सकी। इतना ही नहीं घरों में बंद बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर इसके कई विपरीत परिणाम भी देखने में आए, ऐसे में अब इन बच्चों को क्रिएटिविटी से जोड़ने की जिम्मेदारी उठाई है राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने। परिषद फाउंडेशन लिट्रेसी न्यूमेसी के तहत पहली से पांचवीं क्लास के बच्चों आर्ट किट उपलब्ध करवा रहा है जिससे उनके सीखने के तरीके को सरल, सहज और रोचक बनाया जा सके।

स्कूल शिक्षा परिषद ने दिए शिक्षकों को निर्देश

परिषद ने शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि टीचर्स एक सितंबर से स्कूल खुलने के बाद क्लास वर्क में आर्ट किट का उपयोग करवाएं ही साथ ही पढ़ाई के दौरान बच्चों को ऐसा होमवर्क दें, जिससे वह इस किट का उपयोग घर पर भी कर सकें। स्टूडेंट्स इस किट से जो भी क्रिएटिव वर्क करेंगे उसे क्लास रूम, प्रार्थना सभा या बाल सभा में एग्जिबिट किया जाए जिससे बच्चों का उत्साहवर्धन हो सके। शिक्षकों का यह भी दायित्व होगा कि आर्ट किट के बारे में अभिभावकों को भी जानकारी दें और जिससे वह भी अपने बच्चों को इसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें ना कि आर्ट किट के उपयोग को समय बरबाद करना माने। वहीं शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह यह सुनिश्चित करें कि आर्ट किट हर विद्यार्थी को मिल रही है।

यह होगा किट से फायदा

- आर्ट के जरिए बच्चों में सीखने के प्रति रुचि जागृत होगी।
- उनके क्रियात्मक और सृजनात्मक कौशल का विकास होगा।
- स्वयं करके ज्ञान सृजन के अवसर मिलेंगे।
- बच्चों को एक्टिविटी बेस्ड पढ़ाई के लिए सामग्री मिल सकेगी।
- कला किट में दी जाएगी यह सामग्री, क्रोप बुक या स्केच बुक
- कलरिंग बुक, क्रोयोन्स या पेंसिल कलर, कार्डशीट

भीकाजी कामा: विदेश में पहली बार भारतीय झंडा फहराने वाली महिला

इतनी गहराई से जुड़ा था आजादी की जंग में मैडम भीकाजी कामा और वीर सावरकर का रिश्ता भारत में 74वें स्वतंत्रता दिवस को बड़ी शान से मनाने की तैयारी चल रही है. देश को आजादी दिलाने में अनगिनत लोगों ने जीवन का बलिदान दिया. ऐसी ही एक महान हस्ती मैडम भीकाजी कामा की आज पुण्यतिथि है. आजादी की लड़ाई में उनकी भूमिका और समर्पण से हर देशवासी को प्रेरणा मिलती है. मैडम भीकाजी कामा को तैयार करने में वीर सावरकर का अहम योगदान था.

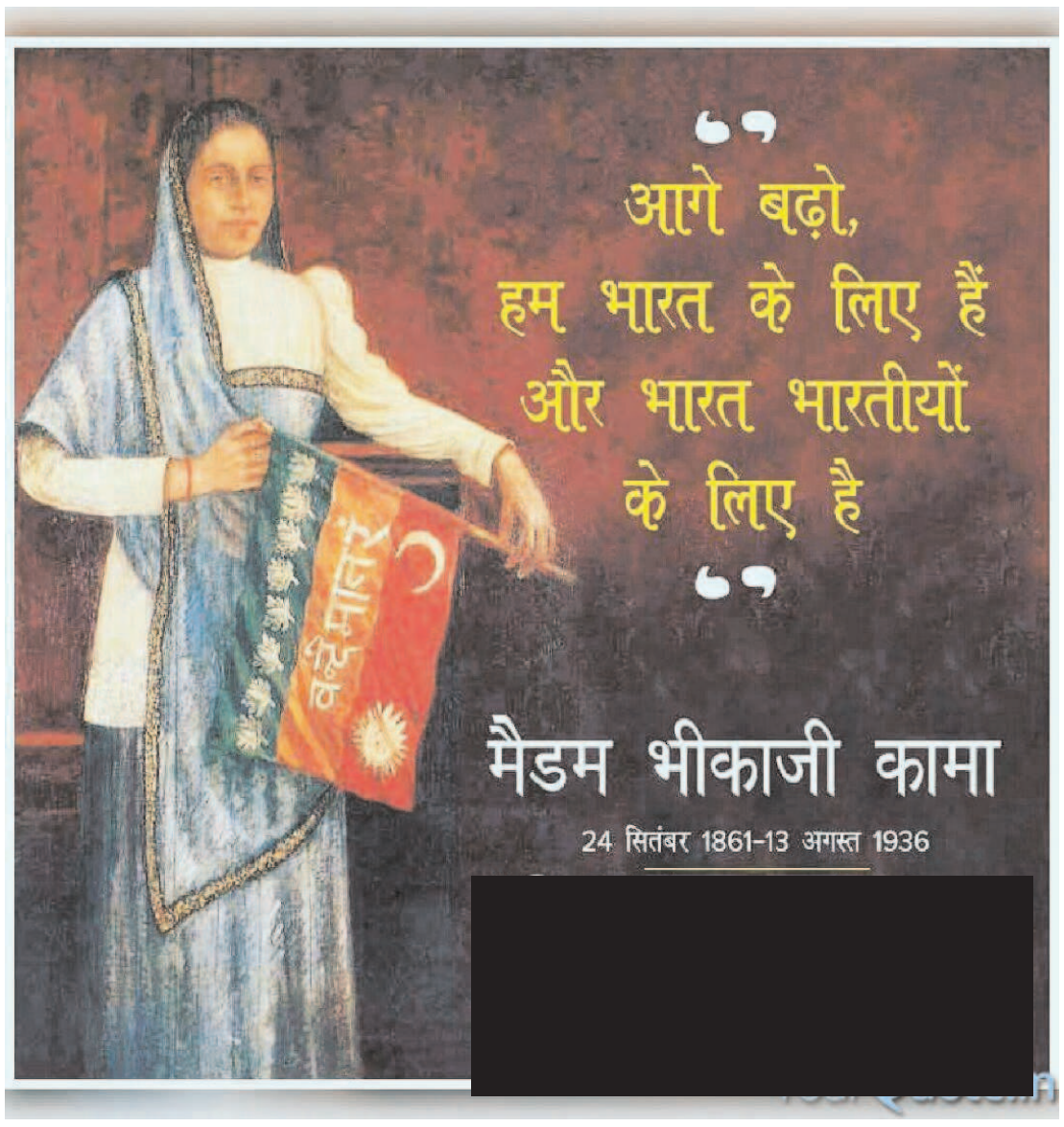

मैडम भीकामी कामा का वीर सावरकर से काफी गहरा रिश्ता था, देश की आजादी के लिए मैडम कामा ने पेरिस और सावरकर ने लंदन से जो लड़ाई लड़ी, उसके बारे में कम ही लोग जानते हैं. आज की पीढ़ी मैडम कामा के बारे में बस इतना ही जानती है कि कैसे जर्मनी के स्टुटगार्ट की इंटरनेशनल सोशलिस्ट कॉन्फ्रेंस में उन्होंने भारत का राष्ट्रीय झंडा पहली बार किसी विदेशी मंच पर फहराया था. लेकिन बहुतों को नहीं पता होगा कि उन्हें स्टुटगार्ट भेजने , झंडे को डिजाइन करने और वहां दिए भाषण को तैयार करने के पीछे भी सावरकर का दिमाग था. जिसके बाद में सावरकर की गिरफ्तारी इंटरनेशनल कोर्ट में भारत का पहला केस बन गई थी.

दरअसल मैडम कामा सम्पन्न बिजनेस परिवार से थीं, एक अमीर पारसी वकील से उनकी शादी मुंबई में हुई. लेकिन वो वकील अंग्रेज परस्त था इसलिए बात जमी नहीं और दोनों अलग हो गए. तब से मैडम कामा ने समाजसेवा और देश सेवा को अपना मिशन बना लिया. प्लेग पीड़ितों की सेवा करते वक्त वो खुद भी प्लेग की चपेट में आकर गंभीर रुप से बीमार हो गईं, इसके बाद 1902 में उन्हें इलाज के लिए लंदन भेजा गया.

यहां वो दो बड़ी हस्तियों के सम्पर्क में आईं. एक दादा भाई नोरोजी, जो लंदन में ओवरसीज कांग्रेस की जिम्मेदारी संभाल रहे थे और दूसरे श्याम जी कृष्ण वर्मा, जो विदेशी सरजमीं पर क्रांतिकारियों के सबसे बड़े गॉडफादर थे. जिन्होने लंदन में अपनी जिंदगी भर की जमापूंजी से 'इंडिया हाउस' नाम की इमारत बनवाई थी.

वो दादाभाई नोरोजी की कुछ समय के लिए सेक्रेट्री रहीं और श्यामजी कृष्ण वर्मा के संगठन 'होम रूल सोसायटी' से जुड़ गईं. 1906 में तिलक की सिफारिश पर इंडिया हाउस की शिवाजी स्कॉलरशिप पर लंदन पहुंचे विनायक दामोदर सावरकर से उनकी पहली मुलाकात हुई. इंडिया हाउस में सावरकर से मिलकर भीकाजी कामा को लगा कि यही वो व्यक्ति है, जो भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति दिला सकता है. पिछले 10 साल से हो रही इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस 1907 में जर्मनी के स्टुटगार्ट मे होनी थी. सावरकर की योजना थी कि हर इंटरनेशनल मंच पर भारत की गुलामी का मुद्दा उठाया जाए, जिससे अंग्रेजी सरकार एक्सपोज हो. सावरकर ने मैडम कामा को वहां जाने के लिए तैयार किया और उनके साथ भेजने के लिए श्यामजी कृष्ण वर्मा के सहयोगी और होम रूल सोसायटी के वाइस प्रेसीडेंट एस आर राना को तैयार किया. उसके बाद सावरकर और मैडम कामा ने मिलकर वो राष्ट्रीय ध्वज डिजाइन किया, जिसे खुद श्यामजी कृष्ण वर्मा की पत्नी भानुमति और मैडम कामा ने सिला था. तीन रंगों के इस झंडे में सबसे ऊपर हरा रंग रखा गया उस स्ट्रिप में 8 कमल के फूल लगाए गए, जो भारत के 8 राज्यों के प्रतीक थे, बीच में भगवा रंग की स्ट्रिप थी उस पर देवनागरी में 'वंदेमारतम' लिखा था. झंडे के सबसे नीचे शक्ति का प्रतीक लाल रंग था जिसकी पट्टी पर सूरज और चांद बने हुए इसमें ये संदेश छुपा था कि जब तक सूरज और चांद रहेंगे, भारत आजाद रहेगा.

इस तरह के तीन झंडे तैयार किए गए, 2 राना को दिए गए और 1 को अपने कपड़ों में छुपाकर मैडम कामा जर्मनी के कार्यक्रम में ले गई थीं. उन्हीं दिनों मैडम कामा पेरिस शिफ्ट हुईं जहां उन्होने पेरिस इंडिया सोसायटी के नाम से एक संगठन खड़ा कर दिया.उन दिनों इंगलैंड और फ्रांस की इतनी दोस्ती नहीं थी, इसलिए पेरिस क्रांतिकारियों का गढ़ बन चुका था. सावरकर खुद जर्मनी इसलिए नहीं गए क्योंकि तब वो अपनी किताब '1857 प्रथम स्वातंत्र्य समर' की रिसर्च कर रहे थे.

21 अगस्त को इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांफ्रेंस, स्टुटगार्ट में मैडम कामा ने वो भारतीय राष्ट्रीय झंडा फहराया और सबको कहा कि लोग खड़े होकर इसे सम्मान दें क्योंकि ये भारत का राष्ट्रीय ध्वज है, हर कोई खड़ा हुआ तब उन्होंने सावरकर द्वारा तैयार वो भाषण पढ़ा, जिसमे भारत की आजादी की बात की गई थी, बाद में इसी वजह से अमेरिका के लोकतंत्र समर्थकों ने मैडम कामा को अमेरिका आमंत्रित किया था.

इधर कामा दोबारा लंदन तब लौटीं जब सावरकर के शिष्य मदन लाल धींगरा ने कर्नल वायली को लंदन में मार दिया था, उस दौरान कामा ने 'मदन तलवार' नाम से लंदन के अखबारों में एक सीरीज लिखनी शुरू कर दी. इधर सावरकर अचानक काफी बीमार हो गए और कामा के पीछे पीछे वो भी पेरिस आ गए. जहां करीब 2 महीने तक मैडम कामा ने नर्स बनकर उनकी देखभाल की. वहीं से सावरकर ने बम मैन्युल और नासिक के कलेक्टर जैक्सन की हत्या के लिए अनंत कन्हेरे के पास पिस्तौल भिजवाईं. सावरकर का नाम जैक्सन हत्याकांड में भी सामने आ चुका था. ब्रिटिश पुलिस तेजी से उन्हें खोज रही थी, सावरकर को लग रहा था कि वो अपनी लड़ाई लंदन से ही लड़ सकते हैं, उनको लगा कि इंडिया हाउस आना जरुरी है. जबकि लाला हरदयाल और मैडम कामा जैसे लोगों ने उन्हे रोकने की कोशिश की. वो उन्हें स्टेशन तक छोड़ने भी आए, लेकिन इंग्लैंड पहुंचते ही स्टेशन पर सावरकर गिरफ्तार हो गए. फिर सावरकर को जहाज से भारत ले जाया गया तो मैडम कामा ने फ्रांस के एक पोर्ट पर उन्हे छुड़ाने की योजना बनाई. सावरकर जहाज के बाथरूम से कूदे भी, लेकिन मैडम कामा और उनके साथ अय्यर को 10 से 15 मिनट की देर हो गई और फ्रांस से ही सावरकर को फिर गिरफ्तार कर लिया गया.

तब मैडम कामा ने फ्रांस के उस शहर के मेयर से शिकायत करते हुए कहा कि ये फ्रांस का अपमान है कि बिना सूचना के ब्रिटिश पुलिस आपके क्षेत्र से किसी को गिरफ्तार कैसे कर सकती है. मैडम कामा ने फ्रांस की सरकार के सामने ये मुद्दा उठाया, इंटरनेशनल मीडिया में लिखा और आखिरकार फ्रांस की सरकार सावरकर के मुद्दे पर ब्रिटेन के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट में चली गई. ये किसी भारतीय का पहला मामला था, जो इंटरनेशनल कोर्ट में पहुंचा था जिसके लिए मैडम कामा ने काफी मेहनत की थी.

ये अलग बात है कि बाद में पहले विश्व युद्ध के दौरान 1914 में फ्रांस ब्रिटेन की दोस्ती हो गई, सावरकर को छुड़ाना और मुश्किल होता चला गया. एक बार जर्मनी की मदद से अंडमान में एक शिप भी भेजा गया, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली. इधर मैडम कामा अकेली पड़ गईं, पेरिस में भी ब्रिटिश सरकार के कहने पर उन पर तमाम पाबंदियां लगा दी गईं. उनकी तबियत भी काफी खराब रहने लगी. लेकिन फिर भी उन्होंने सावरकर के छोटे भाई नारायण राव सावरकर की आगे की पढ़ाई के लिए वित्तीय मदद की. ये अलग बात है कि उनकी आर्थिक स्थिति और सेहत लगातार गिरती जा रही थी.

पैरालिसिस के अटैक ने उनकी हालत और खराब कर दी थी. इधर राना को परिवार के साथ किसी कैरेबियन द्वीप पर सरकार ने निर्वासित कर दिया. श्याम जी कृष्ण वर्मा भी स्विटजरलैंड चले गए थे. आखिरकार उनकी गिरती हालत देखकर सरकार ने उन्हें भारत आने की इजाजत दी, तब वो नवम्बर 1935 में मुंबई पहुंचीं. और 9 महीने बाद 13 अगस्त 1936 को आजादी का ख्वाब दिल में लिए ही इस दुनियां से विदा हो गईं. उन्हे इस बात की खुशी थी कि आखिरी वक्त में वो भारत पहुंच गईं थी, जिसके लिए श्याम जी कृष्ण वर्मा तरस गए थे, जिनकी अस्थियां आजादी के 55 साल बाद प्रधानमंत्री मोदी स्विटजरलैंड से लेकर आए थे.

जब भारत के आखिरी मुगल बहादुर शाह जफर को अंग्रेजों ने तड़पाया

हिंदुस्तान के आखरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर का जिक्र आते ही उनकी उर्दू शायरी और हिंदुस्तान से उनकी मोहब्बत की भी बात होती है. 21 सितंबर के दिन को अंग्रेज हुक्मरान के हाथों उनकी गिरफ्तारी के लिए इतिहास में दर्ज किया गया है. कहने को तो वह 1837 में बादशाह बनाए गए, लेकिन तब तक देश के काफी बड़े इलाके पर अंग्रेजों का कब्जा हो चुका था.

1857 में क्रांति की चिंगारी भड़की तो सभी विद्रोही सैनिकों और राजा-महाराजाओं ने उन्हें हिंदुस्तान का सम्राट माना और उन्होंने भी अंग्रेजों को खदेड़ने का आह्वान किया, लेकिन 82 बरस के बूढ़े बहादुर शाह जफर की अगुवाई में लड़ी गई यह लड़ाई कुछ ही दिन चली और आज के दिन अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. उन पर मुक़दमा चलाया गया और उन्हें रंगून निर्वासित कर दिया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली.

बादशाह बहादुर शाह का जन्म 24 अक्टूबर, 1775 को हुआ था. कहा जाता है कि बहादुर शाह जफर को नाममाज़ बादशाह की उपाधि दी गई थी. 1837 के सितंबर में पिता अकबर शाह द्वितीय की मौत के बाद वह गद्दीनशीं हुए. अकबर शाह द्वितीय कवि हृदय जफर को सदियों से चला आ रहा मुगलों का शासन नहीं सौंपना चाहते थे. सौंदर्यानुरागी बहादुर शाह जफर का शासनकाल आते-आते वैसे भी दिल्ली सल्तनत के पास राज करने के लिए सिर्फ दिल्ली यानी शाहजहांबाद ही बचा रह गया था.

1857 के विद्रोह ने जफर को बनाया आजादी का सिपाही

1857 में ब्रिटिशों ने तकरीबन पूरे भारत पर कब्जा जमा लिया था. ब्रिटिशों के आक्रमण से तिलमिलाए विद्रोही सैनिक और राजा-महाराजाओं को एक केंद्रीय नेतृत्व की जरूरत थी, जो उन्हें बहादुर शाह जफर में दिखा. बहादुर शाह जफर ने भी ब्रिटिशों के खिलाफ लड़ाई में नेतृत्व स्वीकार कर लिया. लेकिन 82 वर्ष के बूढ़े शाह जफर अंतत: जंग हार गए और अपने जीवन के आखिरी वर्ष उन्हें अंग्रेजों की कैद में गुजारने पड़े.

आला दर्जे के शायर थे बहादुर शाह जफर

तबीयत से कवि हृदय बहादुर शाह जफर शेरो-शायरी के मुरीद थे और उनके दरबार के दो शीर्ष शायर मोहम्मद गालिब और जौक आज भी शायरों के लिए आदर्श हैं. जफर खुद बेहतरीन शायर थे. दर्द में डूबे उनके शेरों में मानव जीवन की गहरी सच्चाइयां और भावनाओं की दुनिया बसती थी. रंगून में अंग्रेजों की कैद में रहते हुए भी उन्होंने ढेरों गजलें लिखीं. बतौर कैदी उन्हें कलम तक नहीं दी गई थी, लेकिन सूफी संत की उपाधि वाले बादशाह जफर ने जली हुई तीलियों से दीवार पर गजलें लिखीं.

चुपचाप किए गए थे दफन....

बर्मा में अंग्रेजों की कैद में ही 7 नवंबर, 1862 को सुबह बहादुर शाह जफर की मौत हो गई. उन्हें उसी दिन जेल के पास ही श्वेडागोन पैगोडा के नजदीक दफना दिया गया. इतना ही नहीं उनकी कब्र के चारों ओर बांस की बाड़ लगा दी गई और कब्र को पत्तों से ढंक दिया गया. ब्रिटिश चार दशक से हिंदुस्तान पर राज करने वाले मुगलों के आखिरी बादशाह के अंतिम संस्कार को ज्यादा ताम-झाम नहीं देना चाहते थे. वैसे भी बर्मा के मुस्लिमों के लिए यह किसी बादशाह की मौत नहीं बल्कि एक आम मौत भर थी. उस समय जफर के अंतिम संस्कार की देखरेख कर रहे ब्रिटिश अधिकारी डेविस ने भी लिखा है कि जफर को दफनाते वक्त कोई 100 लोग वहां मौजूद थे और यह वैसी ही भीड़ थी, जैसे घुड़दौड़ देखने वाली या सदर बाजार घूमने वाली. जफर की मौत के 132 साल बाद साल 1991 में एक स्मारक कक्ष की आधारशिला रखने के लिए की गई खुदाई के दौरान एक भूमिगत कब्र का पता चला. 3.5 फुट की गहराई में बादशाह जफर की निशानी और अवशेष मिले, जिसकी जांच के बाद यह पुष्टि हुई की वह जफर की ही हैं.

आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की मौत 1862 में 87 साल की उम्र में बर्मा (अब म्यांमार) की तत्कालीन राजधानी रंगून (अब यांगून) की एक जेल में हुई थी, लेकिन उनकी दरगाह 132 साल बाद 1994 में बनी. इस दरगाह की एक-एक ईंट में आखिरी बादशाह की जिंदगी के इतिहास की महक आती है. इस दरगाह में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रार्थना करने की जगह बनी है. ब्रिटिश शासन में दिल्ली की गद्दी पर बैठे बहादुर शाह जफर नाममात्र के बादशाह थे. 60 साल की सुल्ताना बेगम भारत के आखिरी मुगल शासक बहादुर शाह जफर की पौत्रवधू हैं. अपनी शाही विरासत के बावजूद वो मामूली पेंशन पर रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की जद्दोजहद में लगी रहती हैं. उनके पति राजकुमार मिर्जा बेदर बख?त की साल 1980 में मौत हो गई थी और तब से वो गरीबों की जिंदगी जी रही हैं. वो हावड़ा की एक झुग्गी-छोपड़ी में रह रही हैं. यही नहीं उन-हें अपने पड़ोसियों के साथ किचन साझा करनी पड़ती है और बाहर के नल से पानी भरना पड़ता है.

आपको बता दें, आज वह हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके प्रति सम्मान का अंदाजा इसी बाद से लगा सकते हैं कि आज देश में कई सड़कों का नाम बहादुर शाह जफर रोड से है. वहीं पाकिस्तान के लाहौर शहर में भी उनके नाम से एक सड़क का नाम रखा गया है. बांग्लादेश में विक्टोरिया पार्क का नाम बदल कर बहादुर शाह जफर नाम रख दिया गया है.

रानी चेन्नम्मा : यह थीं कर्नाटक की लक्ष्मीबाई

19वीं सदी की शुरुआत में देश के बहुत से शासक अंग्रेजों की बदनीयत को समझ नहीं पाए थे। लेकिन उस समय भी कित्तुरु की रानी, रानी चेन्नम्मा ने ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई छेड़ दी थी।

रानी चेन्नम्मा की कहानी लगभग झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरह है। इसलिए उनको %कर्नाटक की लक्ष्मीबाई% भी कहा जाता है। वह पहली भारतीय शासक थीं जिन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह किया। भले ही अंग्रेजों की सेना के मुकाबले उनके सैनिकों की संख्या कम थी और उनको गिरफ्तार किया गया लेकिन ब्रिटिश शासन के खिलाफ बगावत का नेतृत्व करने के लिए उनको अब तक याद किया जाता है।

चेन्नम्मा का जन्म 23 अक्टूबर, 1778 को ककाती में हुआ था। यह कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक छोटा सा गांव है। उनकी शादी देसाई वंश के राजा मल्लासारजा से हुई जिसके बाद वह कित्तुरु की रानी बन गईं। कित्तुरु अभी कर्नाटक में है। उनको एक बेटा हुआ था जिनकी 1824 में मौत हो गई थी। अपने बेटे की मौत के बाद उन्होंने एक अन्य बच्चे शिवलिंगप्पा को गोद ले लिया और अपनी गद्दी का वारिस घोषित किया। लेकिन ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपनी %हड़प नीति% के तहत उसको स्वीकार नहीं किया। हालांकि उस समय तक हड़प नीति लागू नहीं हुई थी फिर भी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1824 में कित्तुरु पर कब्जा कर लिया।

शिवलिंगप्पा को निर्वासित करने का आदेश

ब्रिटिश शासन ने शिवलिंगप्पा को निर्वासित करने का आदेश दिया। लेकिन चेन्नम्मा ने अंग्रेजों का आदेश नहीं माना। उन्होंने बॉम्बे प्रेसिडेंसी के लेफ्टिनेंट गवर्नर लॉर्ड एलफिंस्टन को एक पत्र भेजा। उन्होंने कित्तुरु के मामले में हड़प नीति नहीं लागू करने का आग्रह किया। लेकिन उनके आग्रह को अंग्रेजों ने ठुकरा दिया। इस तरह से ब्रिटिश और कित्तुरु के बीच लड़ाई शुरू हो गई। अंग्रेजों ने कित्तुरु के खजाने और आभूषणों के जखीरे को जब्त करने की कोशिश की जिसका मूल्य करीब 15 लाख रुपये था। लेकिन वे सफल नहीं हुए।

अंग्रेजों से मुकाबला

अंग्रेजों ने 20,000 सिहापियों और 400 बंदूकों के साथ कित्तुरु पर हमला कर दिया। अक्टूबर 1824 में उनके बीच पहली लड़ाई हुई। उस लड़ाई में ब्रिटिश सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कलेक्टर और अंग्रेजों का एजेंट सेंट जॉन ठाकरे कित्तुरु की सेना के हाथों मारा गया। चेन्नम्मा के सहयोगी अमातूर बेलप्पा ने उसे मार गिराया था और ब्रिटिश सेना को भारी नुकसान पहुंचाया था। दो ब्रिटिश अधिकारियों सर वॉल्टर एलियट और स्टीवेंसन को बंधक बना लिया गया। अंग्रेजों ने वादा किया कि अब युद्ध नहीं करेंगे तो रानी चेन्नम्मा ने ब्रिटिश अधिकारियों को रिहा कर दिया। लेकिन अंग्रेजों ने धोखा दिया और फिर से युद्ध छेड़ दिया। इस बार ब्रिटिश अफसर चैपलिन ने पहले से भी ज्यादा सिपाहियों के साथ हमला किया। सर थॉमस मुनरो का भतीजा और सोलापुर का सब कलेक्टर मुनरो मारा गया। रानी चेन्नम्मा अपने सहयोगियों संगोल्ली रयन्ना और गुरुसिदप्पा के साथ जोरदार तरीके से लड़ीं। लेकिन अंग्रेजों के मुकाबले कम सैनिक होने के कारण वह हार गईं। उनको बेलहोंगल के किले में कैद कर दिया गया। वहीं 21 फरवरी 1829 को उनकी मौत हो गई।

लड़ाई हार गईं पर इतिहास में अमर

भले ही चेन्नम्मा आखिरी लड़ाई में हार गईं लेकिन उनकी वीरता को हमेशा याद किया जाएगा। उनकी पहली जीत और विरासत का जश्न अब भी मनाया जाता है। हर साल कित्तुरु में 22 से 24 अक्टूबर तक कित्तुरु उत्सव लगता है जिसमें उनकी जीत का जश्न मनाया जाता है। रानी चेन्नम्मा को बेलहोंगल तालुका में दफनाया गया है। उनकी समाधि एक छोटे से पार्क में है जिसकी देखरेख सरकार के जिम्मे है।

पार्ल्यामेंट कंप्लेक्स में लगी है प्रतिमा

उनकी एक प्रतिमा नई दिल्ली के पार्ल्यामेंट कंप्लेक्स में लगी है। कित्तुरु की रानी चेन्नम्मा की उस प्रतिमा का अनावरण 11 सितंबर, 2007 को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने किया था। प्रतिमा को कित्तुर रानी चेन्नम्मा स्मारक कमिटी ने दान दिया था जिसे विजय गौड़ ने तैयार किया था।

सार समाचार

होंडा कार्स इंडिया की केनरा बैंक के साथ भागीदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रीमियम कार बनाने वाली कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने देश के तीसरे सबसे बड़े सार्वजनिक बैंक केनरा बैंक के साथ मिलकर अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक और किफायती फाइनेंस स्कीम को पेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि यह भागीदारी एचसीआईएल उपभोक्ताओं को होंडा अमेज, होंडा सिटी, होंडा जैज और होंडा डब्ल्यूआर-वी को खरीदने के लिए केनरा बैंक से आसान फाइनेंसिंग विकल्पों और परेशानी मुक्त कार लोन हासिल करने में मदद करेगी। खरीदारी के इस मौसम को और भी आकर्षक एवं फायदेमंद बनाने एवं उत्सवों के लिए स्पेशल स्कीम भी पेश की गई हैं। एचसीआईएल देशभर में इन स्कीम को पेश करने के लिए अर्द्ध-शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ कई बैंकों के साथ भागीदारी कर रही है। इस भागीदारी और स्पेशल स्कीम की पेशकश पर एचसीआईएल के विपणन एवं बिक्री के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं निदेशक राजेश गोयल ने कहा, केनरा बैंक के साथ भागीदारी अपने उपभोक्ताओं को आसान और सुविधाजनक फाइनेंसिंग समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में हमारे प्रयासों का विस्तार है।

एचडीएफसी बैंक फरवरी 2022 से हर महीने जारी करेगा पांच लाख क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी बैंक ने फरवरी 2022 से हर महीने अपने पोर्टफोलियो में पांच लाख नए क्रेडिट कार्ड जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित करने की घोषणा की है। बैंक के पेमेंट्स, कंज्यूमर फाइनेंस, डिजिटल बैंकिंग एंड आईटी के ग्रुप प्रमुख पराग राव ने सोमवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुए कहा कि इस लक्ष्य को हासिल कर एचडीएफसी बैंक अगले 9 से 12 महीनों में भारतीय क्रेडिट कार्ड बिजनेस में अपनी बाजार हिस्सेदारी को फिर से प्राप्त कर शिखर पर होगा। उन्होंने कहा कि अगले 6 से 9 महीनों के अंदर नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की गति बढ़ाने के लिए 20 से अधिक नई पहलों की शुरूआत की जायेगी। इन दौरान कई नए को-ब्रांडेड कार्ड को जारी किया जाएगा, जिनमें भारतीय कॉरपिट जगत की जानी मानी कंपनियां शामिल होंगी जो कि फार्मा, ट्रैवल, एफएमसीजी, हॉस्पिटैलिटी, टेलीकॉम और फिनटेक तक बिजनेस में कार्यरत हैं और एक बड़ा ग्राहक आधार रखती हैं।

टाटा ने पेश की छोटी एसयूवी 'पंच'

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मार्टर्स ने अपनी छोटी स्पोर्ट्स व्हीकल (एसयूवी) की पिछले वर्ष के ऑटो एक्सपो में झलक दिखाने के बाद सोमवार को उसे 'पंच' नाम से पेश कर दिया। कंपनी के अध्यक्ष (यात्री वाहन कारोबार इकाई) शैलेष चंद्रा ने एसयूवी को सोमवार को पेश करने के बाद बताया कि टाटा पंच अपने नाम की तरह ही एक मज़बूत कार है, जिसे किसी भी तरह की सड़क पर चलाई जा सकती है। इसे आकर्षक डिजाइन, तकनीक और आधुनिक फीचर से लैस किया गया है, जो इसे अन्य वाहनों से अलग बनाता है। श्री चंद्रा ने बताया कि इसमें ज़्यादा केबिन स्पेस, आरामदायक ड्राइविंग और अच्छी सुरक्षा मिलेगी, जो इस एसयूवी को और आकर्षक बनाएगी। इस एसयूवी को कंपनी ने कॉम्पैक्ट स्पोर्टी लुक दिया है, जो कि युवाओं को बेहद पसंद आएगा। इसमें टाटा हैरियर जैसा डे टाइम रनिंग लाइट और चौड़ा बोनट दिया गया है।

सेंसेक्स 226 अंक और निफ्टी 46 अंक चढ़ा

बाजार की गिरावट पर लगा ब्रेक

सेंसेक्स 55555 और एनएसई 16496 अंक पर पहुंचा

एजेंसी

मुंबई

वैश्विक स्तर से मिले सकरात्मक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर आईटी, टेलीकॉम, बैंकिंग, वित्त और एनर्जी समूहों में हुई लिवाली के बल पर शेयर बाजार गिरावट से उबरते हुए सोमवार को बढ़त बनाने में सफल रहा जिससे बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 226.47 अंक बढ़कर 55555.79 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 45.95 अंक चढ़कर 16496.45 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में जहां लिवाली देखी गयी वहीं छोटी और मझौली कंपनियों में तीव्र मुनाफावसूली देखी गयी जिससे सेंसेक्स की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश भी लगा। बीएसई का मिडकैप 0.90 प्रतिशत टूटकर 22475.30 अंक पर और स्मॉलकैप 1..55 प्रतिशत गिरकर 25358.02 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल समूहों में से अधिकांश गिरावट में रहा। बढ़त में रहने वालों में आईटी 1.16 प्रतिशत, टेक 1.26 प्रतिशत, टेलीकॉम 0.89 प्रतिशत, एनर्जी 0.62 प्रतिशत, बैंकिंग

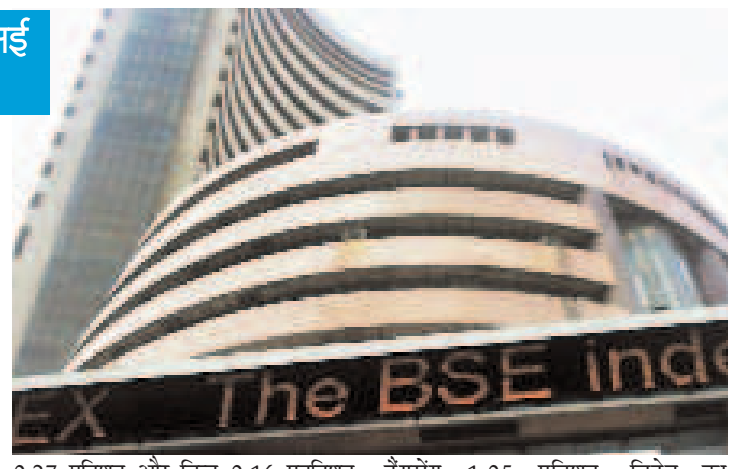

0.27 प्रतिशत और वित्त 0.16 प्रततिशत शामिल है। गिरावट में रहने वालों में बेसिक मटेनियल्स 1.52 प्रतिशत, इंडस्ट्रीयल 1.18 प्रतिशत प्रमुख रूप से शामिल है।

2470 कंपनियों में गिरावट

बीएसई में कुल 3393 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2470 गिरावट और मात्र 777 बढ़त बनाने में सफल रही। इस दौरान 146 कंपनियों में कोई बदलाव नहीं हुआ। जापान का निक्केई 1.78 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.45 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.05 प्रतिशत, ब्रिटेन का एफटीएसई 0.45 प्रतिशत और जर्मनी का डेक्स 0.25 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स 366 अंकों की बढ़त के साथ 55695.84 अंक पर खुला।

इनमें रही बढ़त

सेंसेक्स में बढ़त में रहने वालों में एचसीएलटेक 4.10 प्रतिशत, टीसीएस 2.20 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.06 प्रतिशत, नेस्ले इंडिया 1.78 प्रतिशत, एयरटेल 1.57 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.46 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.16 प्रतिशत आदि शामिल हैं।

नई कंपनियों के लिए विमानन सेवा शुरू करने का सही समय : गोपीनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली

देश में सस्ती हवाई सेवा शुरू करने वाली कंपनी एयर डक्कन के संस्थापक कैप्टन जी. आर. गोपीनाथ ने सोमवार को कहा कि कोरोना महामारी एवं अन्य कारणों से भारी घाटे झेल रही बड़ी और स्थापित विमानन कंपनियों के बीच नई कंपनियों के लिए विमान सेवा शुरू करने का यह अच्छा समय है। गोपीनाथ ने सोमवार को कहा, भारी घाटा झेल रही बड़ी कंपनियां उबरने के लिए हवाई सेवा की कीमत बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं लेकिन जब आप भाड़ा बढ़ाएंगे तो वह आपके खिलाफ ही जाएगा क्योंकि ऐसी स्थिति हवाई जहाज यात्रियों से भर नहीं पाएंगे। इसलिए वे यह रणनीति नहीं अपनाएंगे क्योंकि वह पहले से घाटे में हैं।

कैप्टन ने एशिया-प्रशांत विमानन केंद्र (सीएपीए) के आंकड़ों के हवाले से बताया कि कोरोना महामारी के कारण विमानन कंपनियों को पिछले वित्त और चालू वित्त वर्ष को मिलाकर कुल 8.1 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। उन्होंने कहा कि कोविड की वजह से पूरी दुनिया में विमानों की लीज का किराया काफी प्रतिस्पर्द्धी हो गया है, जो नई कंपनियों के लाभ की स्थिति बन सकता है।

गोपीनाथ ने कहा कि बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के विमान की लीज का किराया काफी कम होगा। मौजूदा हालात में काफी लोग नौकरी से निकाले गये हैं। पायलट, अभियंता एवं अन्य कर्मी बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जब बड़ी विमानन कंपनियों कर्ज में डूबे हैं तो ऐसे में छोटी कंपनियों के लिए हवाई शुरू करना बेहतर होगा। कैप्टन ने कहा कि हालांकि कोविड के कारण बाजार के सीमित दायरे में काम करने का जोखिम नई कंपनियों को हो सकता है।

सीसीआई ने मारुति सुज़ुकी पर ठोका 200 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग (सीसीआई) ने डीलरों के ग्राहकों को गाड़ी की खरीद पर छूट देने से रोकने को प्रतिस्पर्द्धा नियमों के विपरीत पाते हुए सोमवार को देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) पर 200 करोड़ रुपए जुर्माना ठोका है। कंपनी मामलों के मंत्रालय से सोमवार को जारी आदेश में बताया गया है कि सीसीआई ने अपनी जांच में पाया कि एमएसआईएल अपनी छूट नियंत्रण नीति के तहत डीलरों के साथ के एक करार करती है, जिसके तहत डीलर ग्राहकों को कंपनी द्वारा निर्धारित छूट से अधिक छूट नहीं दे सकते हैं। साथ ही यदि डीलर अपने ग्राहकों को अतिरिक्त छूट देना चाहते हैं तो उसे पहले एमएसआईएल से अनुमति लेनी होगी।

सीसीआई ने पाया कि यदि कोई डीलर कंपनी की छूट नियंत्रण नीति का उल्लंघन करता है तो एमएसआईएल न केवल डीलरों बल्कि विक्रय कार्यकारी, रीजनल प्रबंधक, शोरूम प्रबंधक एवं टीम लीडरों पर जुर्माना लगाने की धमकी भी देती है। कंपनी ने अपनी इस नीति को लागू करने के लिए डीलरों की जासूसी भी करवाती है।

15 सितंबर तक ई फाइलिंग पोर्टल की समस्याएं दूर करे इंफोसिसः सीतारमण

डेली न्यूज, नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस को ऑनलाइन आयकर रिटर्न भरने वाले नए ई फाइलिंग पोर्टल को लेकर करदाताओं को हो रही असुविधाओं को 15 सितंबर तक दूर करने के लिए कहा है। गत सात जून को इस पोर्टल के लॉन्च किए जाने के बाद से ही समस्यायें आ रही है। करीब ढाई महीने बीतने के बावजूद भी इंफोसिस के इन समस्याओं को दूर करने में असफल रहने पर सीतारमण ने कंपनी के सीईओ सलिल पारेख को सोमवार को जबाव देने के लिए बुलाया था। इसी दौरान वित्त मंत्री ने पारेख को 15 सितंबर तक इस पोर्टल को सुचारू तरीके से ऑपरेट करने और इसमें आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए कहा। इस बीच इंफोसिस ने एक ट्विट के जरिए सूचित किया है कि दो दिनों के अवरोध के बाद आज से यह पोर्टल फिर से शुरू हो गया है।

वायदा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत भी घटी, जानिए क्या रह गए हैं रेट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सोने एवं चांदी के वायदा दाम में मंगलवार को गिरावट का रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्टूबर, 2021 में डिलिवरी वाले सोने का रेट 84 रुपये यानी 0.18 फीसद की गिरावट के साथ 47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ट्रेंड कर रहा था। इससे पहले सोमवार को अक्टूबर में डिलिवरी वाले सोने का दाम 47,584 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। इसी तरह दिसंबर, 2021 में डिलिवरी वाले सोने का रेट 71 रुपये यानी 0.15 फीसद की टूट के साथ 47,672 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। इससे पहले सोमवार को दिसंबर अनुबंध वाले सोने सोने का दाम 47,743 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था।

चांदी की वायदा कीमत

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (ख्ष्ठङ्क) पर सुबह 11:04 बजे सितंबर, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 81 रुपये यानी 0.13 फीसद की टूट के साथ 62,846 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रही थी। इससे पिछले सत्र में सितंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 62,927 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। इसी तरह दिसंबर, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 119 रुपये यानी 0.19 फीसद की गिरावट के साथ 63,489 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। इससे पिछले सत्र में सितंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 63,608 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी।

वैश्विक बाजार में सोने का दाम

ब्लूमबर्ग के मुताबिक कॉमेक्स पर दिसंबर, 2021 में डिलिवरी वाले सोने का रेट 1.80 डॉलर यानी 1.10 फीसद की गिरावट के साथ 1,804.50 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था। इसी तरह हाजिर बाजार में सोने का रेट 2.60 डॉलर यानी 0.14 फीसद की टूट के साथ 1,802.83 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी की कीमत

कॉमेक्स पर दिसंबर, 2021 में कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 0.06 डॉलर यानी 0.24 फीसद की गिरावट के साथ 23.65 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी। इसी तरह स्पॉट मार्केट में चांदी की कीमत 23.63 डॉलर प्रति औंस पर सपाट रही।

विश्लेषकों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर सोने एवं चांदी की मांग में कमी की वजह से घरेलू स्तर पर भी वायदा बाजार में सोने एवं चांदी की कीमतों में गिरावट का रुख देखने को मिला।

जीडीपी किस तेजी से करेगी तरक्की, एसबीआई ने रिपार्ट में जताया यह अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली अप्रैल-जून तिमाही में 18.5 प्रतिशत रहेगी। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट इकोरैप में यह अनुमान लगाया गया है।हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक के अप्रैल-जून तिमाही के 21.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारे 'नाउकास्टिंग मॉडल' के अनुसार पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 18.5 प्रतिशत (ऊपर की ओर झुकाव के साथ) रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में हालांकि स्पष्ट किया गया है कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ऊंची वृद्धि दर की वजह पिछले साल का निचला आधार प्रभाव है।

नाउकास्टिंग मॉडल विकसित किया: भारतीय स्टेट बैंक ने 41 उच्च चक्रीय संकेतकों के साथ नाउकास्टिंग मॉडल विकसित किया है। ये संकेतक औद्योगिक गतिविधियों, सेवा गतिविधियों और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि पहली तिमाही में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 15 प्रतिशत रहेगा।

कर्मचारी लागत में उल्लेखनीय सुधार: इसमें कहा गया है कि कंपनियों के पहली तिमाही के जो नतीजे आए हैं उनसे पता चलता है कि कॉरपोरेट जीवीए इबीआईडीटीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पूर्व आय) जमा कर्मचारी लागत में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इकोरैप में कहा गया है कि पहली तिमाही में 4,069 कंपनियों के कॉरपोरेट जीएवी में 28.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

बॉलीवुड

'गेंदा' ने पहना सोलह किलो का लहंगा

इन दिनों शादियां सोशल मीडिया पर चर्चा और डिजाइनर लुक्स की दीवानगी की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। कुछ लोग शादी को यादगार बनाने के लिए महीनों पहले से प्लानिंग करनी शुरू कर देते हैं, तो वहीं कुछ लोग बिल्कुल सादगी के साथ शादी-समारोह करना पसंद करते हैं। एण्ड टीवी के %घर एक मंदिर-कृपा अग्रसेन महाराज की' की हमारी अपनी गेंदा की शादी की तारीख करीब आ गई है। इस अवसर पर गेंदा का किरदार निभा रहीं श्रेणू पारीख ने अपनी रील मैरिज की तैयारियों के विषय में बात की। उन्होंने बताया कि कॉस्ट्यूम डिजाइनर रीना चोपड़ा ने 16 किलो का कस्टमाइज लहंगा तैयार किया है। इसे पहनना वाकई बहुत मुश्किल काम है। जयपुर में शूटिंग करने के अपने फायदे हैं। पूरा माहौल ही जश्न का लग रहा है और हर किसी के चेहरे पर मुस्कान है।

लगातार फिल्में करने की वजह स्टारडम नहीं

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अभिनय में अपने करियर की शुरुआत 15 साल की उम्र में की थी। उनका कहना है कि ग्लैमर की दुनिया में आने की वजह स्टारडम नहीं है। तमन्ना ने बाहुबली सहित कई हिट फिल्में साउथ सिनेमा को दी हैं। वे कहती हैं, जब मैंने 15 साल की उम्र में काम करना शुरू किया, तो ईमानदारी से स्टारडम वास्तव में फिल्मों में आने का कारण नहीं था। मैं सिर्फ कैमरे के सामने रहना चाहती थी और जो कुछ भी मुझे इसमें मदद करता, मैं वही रास्ता चुनती।

बता दें कि अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 14.3 मिलियन और ट्विटर पर 5.1 मिलियन फैन फॉलोइंग है। इतने प्रशंसक देखकर वे खुद को लकी फील करती हैं और कहती हैं, मैं कड़ी मेहनत करके अपने प्रशंसकों की उम्मीद पर खरी उतरने की कोशिश करती हूं निरंतर।

हुमा के लिए कहानी ज्यादा अहम

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने वेब-सीरीज 'महारानी' में अपने दमदार अभिनय से सभी को चौंका दिया और फिल्म 'बेल बॉटम' में अपनी भूमिका से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभिनेत्री माध्यम के बारे में ज्यादा नहीं सोचती है, क्योंकि वह दृढ़ता से अपना काम करने में विश्वास करती है।

बड़े पर्दे और डिजिटल स्पेस दोनों पर सफलता का स्वाद चखने के बाद हुमा ने बताया, मेरे लिए कोई पहला प्यार नहीं है। कहानी महत्वपूर्ण है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कहां से आता है। एक अभिनेत्री के रूप में मेरा काम है पूरी तरह से और अपनी क्षमताओं के अनुसार भूमिकाएं निभाएं। उनकी लेटेस्ट रिलीज बेल बॉटम उनकी अद्भुत फिल्मोग्राफी में एक और थ्रिलर जोड़ी गई है, जिसमें कुछ नाम रखने के लिए बदलापुर, गैंग्स ऑफ वासेपुर और डी-डे जैसी ही शैली की फिल्में शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी ने की लद्दाख के पहले मूविंग थिएटर की सराहना

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने मोबाइल डिजिटल मूवी थिएटर कंपनी पिक्चर टाइम द्वारा लेह (लद्दाख) में एक इन्फ्लेटेबल थिएटर स्थापित करने पर अपने विचार साझा किया है। वे कहते हैं, कितनी सुंदर पहल है। सिनेमा इस देश के अंदरूनी हिस्सों में लोगों तक पहुंचता है। मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए जो फिल्मी दुनिया से ताल्लुक रखता है, यह फिल्म प्रदर्शनी का एक अनूठा और अलग माध्यम है, 'ए मूविंग थिएटर'। लेह जैसे भव्य स्थान में इस तरह की अवधारणा का होना बिलकुल अविश्वसनीय है।

कार्तिक और तब्बू ने फिर शुरू की 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग

अभिनेता कार्तिक आर्यन और तब्बू ने अपनी आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है, जो कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण रुकी हुई थी। इसकी शूटिंग मुंबई में हो रही है।

कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर के अपने फैंस के लिए पोस्ट की। वे इसमें तब्बू के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन के रूप में लिखा, बिगिन अगेन, भूल भुलैया 2।

बता दें कि फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर इसे 7.25 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इस मूवी में फिल्म में कियारा आडवाणी भी हैं। यह 2007

की अक्षय कुमार-विद्या बालन की हिट फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल है।

अभिनय बदल देता है नजरिया: वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूर ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर की शुरुआत साल 2013 में 'शुद्ध देसी रोमांस' से की थी, जिसमें उन्होंने नेक्स्ट-डोर एक गर्ल का किरदार निभाया था। अभिनेत्री का कहना है कि अभिनय कई लोगों की जिंदगी जीने में मदद करता है। वाणी के लिए यह आठ साल का सफर रहा है। वह इस सफर को लेकर बेहद खुश हैं। उन्हें अपनी नवीनतम रिलीज 'बेल बॉटम' में अक्षय कुमार जैसे बेहतरीन अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिला। वे कहती हैं, मुझे अच्छे डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और को-स्टार्स मिले। मुझे बहुत कुछ सीखने समझने का मौका मिला। चीजों को देखने का मेरा नजरिया ही बदल गया।

रीयाल मैड्रिड ने लेवांटे से खेला ड्रॉ

ला लिगा: विनीसियस ने मैड्रिड के लिए दो गोल करके टीम को एक अंक दिलाया

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रीयाल मैड्रिड को लेवांटे से 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा लेकिन मौजूदा चैंपियन एटलेटिको मैड्रिड ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए एल्ची को 1-0 से हराया।

लेवांटे को लगभग आखिरी दस मिनट अपने मुख्य गोलकीपर के बिना खेलने पड़े लेकिन उसने रीयाल मैड्रिड को इसका फायदा नहीं उठाने दिया। दूसरी तरफ एटलेटिको इस सत्र में अपने पहले दोनों मैच जीतने वाली पहली टीम बन गयी। लेवांटे के गोलकीपर आइतोर फर्नांडिस को 87वें मिनट में लाल कार्ड दिखाया गया। उनकी जगह डिफेंडर रूबेन वेजो ने गोलकीपर की भूमिका निभायी क्योंकि उनकी टीम पहले ही पांच स्थानापन्न खिलाड़ियों को उतार चुकी थी। रीयाल मैड्रिड की तरफ से गेरेथ बेल ने पांचवें मिनट में पहला गोल किया लेकिन मध्यांतर के बाद दो अवसरों पर वह पीछे चल रहा था। ऐसे में विनीसियस जूनियर ने 73वें और 85वें मिनट में गोल करके टीम को एक अंक दिलाया। लेवांटे की तरफ से रोजर मार्टी (46वें), जोस कंपाना (57वें) और रोबर पियरे (79वें मिनट) ने गोल किये। लुई सुआरेज की अनुपस्थिति में एंजेल कोरिया ने फिर से एटलेटिको की जीत में अहम भूमिका निभायी। कोरिया ने पहले हाफ में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। यह उनका दो मैचों में तीसरा गोल है।

ईपीएलः चेल्सी और टोटैनहैम जीते

लंदन। दुनिया के दो सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकरों रोमेलु लुकाकु और हैरी केन ने कुछ समय तक बाहर रहने के बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में फिर से वापसी की। लुकाकु अपना प्रभाव छोड़ने में भी सफल रहे। बेल्जियम के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने दो साल बाद ईपीएल के शीर्ष डिवीजन में वापसी की है। उन्होंने 15वें मिनट में ही गोल दागा जिससे चेल्सी ने आर्सनल को 2-0 से हराया। चेल्सी की तरफ से दूसरा गोल रीस जेम्स ने 35वें मिनट में किया। टोटैनहैम के स्ट्राइकर केन पिछले सत्र के आखिरी दिन के बाद प्रीमियर लीग में नहीं दिखे थे। उनकी मैनचेस्टर सिटी से जुड़ने की खबरें थी लेकिन वह टोटैनहैम में ही बने रहे। इंग्लैंड के कप्तान केन को वॉलवरहैम्पटन के खिलाफ 71वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतारा गया और उन्होंने गोल करने का आसान मौका भी गंवाया। टोटैनहैम हालांकि डेली अल्ली के नौवें मिनट में पेनल्टी पर किये गये गोल से यह मैच 1-0 से जीता। एक अन्य मैच में मैनचेस्टर यूनाईटेड को साउथम्पटन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा। फ्रेड के आत्मघाती गोल से साउथम्पटन ने 30वें मिनट में बढ़त बना दी थी। मैसन ग्रीनवुड ने 55वें मिनटमें यूनाईटेड को बराबरी दिलायी।

विश्व चैंपियनशिप में रजत विजेता शैली की तारीफ करते हुए अंजू बॉबी ने कहा

शैली अगले कुछ सालों में तोड़ देगी नेशनल रिकॉर्ड

नई दिल्ली। अंजू बॉबी जार्ज ने जब पहली बार शैली सिंह को देखा तो वह छोटी, दुबली पतली लड़की थी जो अपने साथ की शीर्ष तीन एथलीटों में भी शामिल नहीं थी लेकिन लंबी कूद की इस प्रसिद्ध एथलीट ने उसे कोचिंग देना का फैसला किया क्योंकि उन्हें उसमें अपने जैसी खिलाड़ी नजर आयी जो कभी हार नहीं मानती।

उस समय शैली 13 साल की थी और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लंबी कूद में पांचवें स्थान पर रही थी। अब वह 17 साल की है उन्होंने अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर बड़े मंच पर अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज करा दी है। वह रविवार को नैरोबी में महिलाओं की लंबी कूद में मात्र एक सेंटीमीटर के अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गयी थी। झांसी में जन्मी शैली को उनकी मां ने पाल पोसकर बड़ा किया। शैली को हालांकि भारतीय एथलेटिक्स का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है। अंजू ने कहा, निश्चित तौर पर उसका शरीर और मांसपेशियां लंबी कूद के अनुकूल हैं और जब मैंने उसका दृढ़ संकल्प देखा तो मुझे लग गया था कि वह लंबी राह तय करेगी। विश्व चैंपियनशिप 2003 में कांस्य पदक जीतने वाली अंजू ने कहा, बाद में मैंने पाया कि वह बहुत जल्दी सीखती है। हमेशा सुधार का प्रयास करती है और कभी हार नहीं मानती। संक्षेप में कहूं तो वह काफी हद तक मेरे जैसे है। कभी हार नहीं मानने के जज्बे ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के कोच और अंजू के पति राबर्ट बॉबी जार्ज का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इसके कुछ दिन बाद अंजू ने विशाखापट्टनम में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय जूनियर एथलेटिक्स मीट में शैली को देखा और उसे कोचिंग देने का फैसला किया। अंजू ने कहा, रॉबर्ट ने मुझे उसके बारे में बताया था। इसके बाद मैं विशाखापट्टनम गयी और मैंने उसे देखा। मुझे लगा कि वह लंबी राह तय करेगी।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले एथलीटों को प्रधानमंत्री ने बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नैरोबी में विश्व अंडर 20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले एथलीटों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को एक ट्वीट संदेश में कहा, रफ्तार एवं और सफलता का चयन! विश्व अंडर 20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दो रजत पदक और कांस्य पदक जीतने वाले हमारे एथलीटों को बधाई। एथलेटिक्स पूरे भारत में लोकप्रियता हासिल कर रहा है और यह आने वाले समय के लिए एक बहुत ही अच्छा संकेत है। कठिन परिश्रम करने वाले हमारे एथलीटों को शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि भारतीय एथलीटों ने नैरोबी में खेली जा रही चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कुल तीन पदक जीते हैं।

हॉकी टीमों के कप्तानों ने पैरालंपिक टीम को दीं अपनी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी और पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने 24 अगस्त से पांच सितम्बर तक होने वाले टोक्यो पैरालंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

रानी ने भारतीय दाल को अपने सन्देश में कहा ,अब समय टोक्यो पैरालंपिक शुरू होने का है और मैं भारतीय हॉकी की तरफ से हर उस एथलीट को अपनी शुभकामनाएं देना चाहती हूं जो इन खेलों में हिस्सा लेने जा रहे हैं। ये एथलीट किसी असली हीरो से काम नहीं हैं जिनके पास हमारे देश के बड़ी संख्या में लोगों को प्रेरित करने की ताकत है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस टीम का हर सदस्य अपनी क्षमता के अनुरूप अपना प्रदर्शन करे और उसके लिए टोक्यो पैरालंपिक का अनुभव यादगार बने। भारत इन खेलों में 54 एथलीटों का अपना सबसे बड़ा दल उतार रहा है। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने इन एथलीटों को भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणा बताया है। उन्होंने कहा, इस पैरा एथलीटों की असामान्य यात्रा से किसी भी व्यक्ति के लिए सीखने को बहुत कुछ है। इस भारतीय टीम का हर सदस्य इस बात का उदाहरण है कि प्रतिबद्धता, दृढ़ता, संकल्प और कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है।

पैरालंपिक में चुनौती पेश करेंगे 54 भारतीय एथलीट

टोक्यो में आज से पांच सितंबर तक खेले जाएंगे मुकाबले

नई दिल्ली। भारत के 54 एथलीट, तीरंदाजी, एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड), बैडमिंटन, तैराकी, भारोत्तोलन समेत 9 खेलों में भाग लेंगे। यह किसी भी पैरालंपिक में भारत द्वारा भेजी गई अब तक की सबसे बड़ी टीम है। सभी 54 एथलीट टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) का हिस्सा हैं।

टोक्यो पैरालंपिक 24 अगस्त से पांच सितम्बर तक खेले जाएंगे। गुजरात राज्य की भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल दोनों पैरालंपिक खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की कोशिश करेंगी। यह जोड़ी क्रमशः पैरा टेबल टेनिस महिला एकल व्हीलचेयर वर्ग 4 श्रेणी और महिला एकल व्हीलचेयर वर्ग 3 श्रेणी में भाग ले रही है। वे महिला युगल स्पर्धा में भी जोड़ी के रूप में भाग लेंगी। भाविना और सोनलबेन अपने क्वालीफिकेशन राउंड की शुरुआत टोक्यो में पहले दिन यानी 25 अगस्त को करेंगी। क्वालीफाइंग राउंड 25, 26 और 27 अगस्त को होंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 28 और 29 अगस्त को होंगे।दोनों खिलाड़ियों ने अहमदाबाद स्थित ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन में प्रशिक्षक ललन दोषी की देख-रेख में प्रशिक्षण लिया है। पैरा टीटी से जुड़ी अपनी बड़ी बहनों के नक्शेकदम पर चलते हुए पैरालंपिक खेलों में पैरा ताइक्वांडो में भारत की एकमात्र प्रतिनिधि 21 वर्ष की अरुणा तंवर होंगी। हरियाणा की अरुणा महिलाओं के 49 किलोग्राम से कम भार के के-44 वर्ग में भाग लेंगी। वो 2 सितंबर को राउंड- ऑफ-16 राउंड्स में अपना जौहर दिखायेंगी।अरुणा इस समय के-44 वर्ग में 30वें स्थान पर हैं और वो 2018 में वियतनाम में आयोजित एशियाई पैरा ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में रजत पदक विजेता रही हैं। वो टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) का एक हिस्सा हैं। पावरलिफ्टिंग के लिए भारत जय दीप और सकीना खातून के रूप में दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को वहां भेज रहा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा के रहने वाले जय दीप रोहतक स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में प्रशिक्षण ले रहे हैं। ये दोनों ही टॉप्स कोर टीम का हिस्सा हैं। सकीना, जो महिलाओं के 50 किग्रा तक के वर्ग में भाग लेंगी।

सार समाचार

गौरव बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में

दुबई। भारत के गौरव सैनी ने जकीरोव मुखमादाजीज को हराकर एएसबीसी यूथ एंड जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जूनियर लड़कों के 70 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ गौरव ने अपने लिए कम से कम रजत पदक सुरक्षित कर लिया है। गौरव के अलावा तीन अन्य भारतीय आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और भारत जून (प्लस81 किग्रा) ने भी प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंतिम -4 चरण में प्रवेश करने के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

एशियाई खेलों एवं पेरिस ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करूंगी: दीपिका

रांची। टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाली झारखंड की तीन खिलाड़ियों तीरंदाज दीपिका कुमारी और हॉकी खिलाड़ी निक्की प्रधान एवं सलीमा टेटे को सोमवार को रांची में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में दीपिका ने बताया कि जिस तरह से टोक्यो ओलंपिक में पदक से चूकने के बावजूद देशभर में सपोर्ट मिल रहा है,उससे अगली प्रतियोगिताओं के लिए मनोबल बढ़ा है। दीपिका ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन पदक तक नहीं पहुंच पायी, इसका अफसोस है, परंतु उम्मीद है कि अगली बार पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक में देश की उम्मीदों के अनुरूप पदक जरूर हासिल करने का प्रयास करूंगी।

न्यूजीलैंड टीम बांग्लादेश के लिए रवाना

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम सोमवार को यहां से बांग्लादेश के लिए रवाना हुई जहां उसे ढाका में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भाग लेना है। टॉम लैथम की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम एक सितंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले एक अभ्यास मैच खेलेगी। दस सितंबर तक चलने वाली इस श्रृंखला के सभी मैच शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। टीम इसके बाद पाकिस्तान रवना होगी जहां रावलपिंडी और लाहौर में उसे क्रमशः तीन एकदिवसीय और पांच और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखलाएं खेलनी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में प्रतिबद्धता वाले कई खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है।

तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड को लगा झटका

मार्क वुड कंधे की चोट के कारण बाहर

लीड्स। इंग्लैंड के सीमर मार्क वुड भारत के खिलाफ लीड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हेडिंग्ले में ये मुकाबला बुधवार से शुरू होने वाला है। मार्क वुड अपनी कंधे की चोट के कारण इस मैच से बाहर हुए हैं।

गौरतलब है कि ये चोट उनको लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन लगी थी लेकिन इंग्लैंड के मैनेजमेंट का मानना था कि वे फिट हो जाएंगे। लेकिन दाएं कंधे पर लगी उनकी ये चोट ठीक नहीं हुई। ईसीबी ने कहा, लीड्स में वे स्क्वॉड के साथ रहेंगे और इंग्लैंड की मेडिकल टीम के साथ अपना रीहैब जारी रखेंगे। टेस्ट मैच के अंत में उनको दोबारा असेस किया जाएगा। आपको बता दें कि इंग्लैंड के खिलाड़ी स्टुअर्ट ब्रॉड, जोफ्रा आर्चर और क्रिस वोक्स इंजरी के कारण इस सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वहीं, बेन स्टोक्स अनिश्चितकालीन ब्रेक पर हैं ताकि वे अपनी मेंटल मेंटल हेल्थ का ख्याल रख सकें।

कपिल देव को पीछे छोड़ सकते हैं बुमराह

भारतीय स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूर्व भारतीय लेजेंड कपिल देव का एक रिकॉर्ड तोड़ने की तर्ज पर हैं। बुमराह टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरा करने से सिर्फ पांच विकेट दूर हैं। बुमराह सबसे तेजी से 100 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे, अगर उन्होंने लीड्स में पांच विकेट अपने नाम किए। इस मामले में वे कपिल देव को पीछे छोड़ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह लॉर्ड्स टेस्ट में बेहतरीन फॉर्म में थे। कपिल देव ने अपने 100 टेस्ट विकेट 25 मैचों में पूरे किए थे। अगर बुमराह ये रिकॉर्ड तोड़ते हैं तो वे मनोज प्रभाकर (96 टेस्ट विकेट) और वेंकटेश प्रसाद (95 टेस्ट विकेट) को पछाड़ देंगे। बुमराह लॉर्ड्स टेस्ट में शानदार साबित हुए थे।

मुझे खुशी है कि लोग अब मेरे बारे में बात कर रहे हैं: रहाणे

लीड्स। लॉर्ड्स टेस्ट में दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में महत्वपूर्ण पारी खेलने वाले भारतीय उपकप्तान अजिंक्या रहाणे का कहना है कि उन्हें खुशी है कि लोग अब उनके बारे में बात कर रहे हैं। रहाणे ने इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले सोमवार को कहा, मुझे खुशी है कि लोग अब मेरे बारे में बात कर रहे हैं। मेरा हमेशा से मानना है कि लोग महत्वपूर्ण लोगों के बारे में बात करते हैं। इसलिए मैं इस बारे में चिंतित नहीं हूं। यह सब कुछ टीम के प्रति योगदान को लेकर है। भारत ने दूसरी पारी में अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज जल्दी गंवा दिए थे और ऐसे समय में रहाणे और चेतेश्वर पुजारा ने महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला था। रहाणे ने कहा, यह बस विकेट पर जमे रहने की बात थी। हम दोनों के बीच बातचीत छोटे लक्ष्यों को लेकर थी और उसके बाद से पारी आगे बढ़ाने को लेकर। हमने एक दूसरे का समर्थन किया। मुझे लगता है कि यह बातचीत एक हद तक सही भी थी। हम बस एक अच्छी साझेदारी बनाना चाहते थे हमें मालूम था कि 170-180 रन इस विकेट पर एक अच्छा स्कोर होगा।

बजरंग चोट के कारण विश्व चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया आगामी कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि टोक्यो खेलों से पहले दायें घुटने में लगी चोट के उपचार के लिए उन्हें छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई है। विश्व चैंपियनशिप का आयोजन नॉर्वे के ओस्लो में दो से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा और रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम पूरा होने तक बजरंग ट्रेनिंग शुरू नहीं कर पाएंगे।

बजरंग ने बताया, लिगामेंट में चोट है और डॉ. दिनशॉ ने मुझे छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम से गुजरने को कहा है। मैं विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। बाकी बचे साल में और कोई रैंकिंग प्रतियोगिता नहीं है और बजरंग ने कहा कि उनका सत्र खत्म हो गया है। मैं इस साल किसी और टूर्नामेंट में खुद को हिस्सा लेते हुए नहीं देखता।

श्रीलंका की जगह पाक में होगी एक दिवसीय सीरीज

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच होने वाली एक दिवसीय श्रृंखला अब श्रीलंका की जगह पाकिस्तान में होगी। तीन मैचों की श्रृंखला तीन सितंबर से हम्बनटोटा में होनी थी लेकिन अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद काबुल से व्यावसायिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

साथ ही श्रीलंका में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण 10 दिन का लॉकडाउन लागू किया गया है। पाकिस्तान में श्रृंखला के आयोजन स्थल की घोषणा अभी नहीं की गई है। टी20 विश्व कप से पहले खिलाड़ियों के काम के बोझ के प्रबंधन के तहत कप्तान बाबर आजम सहित सभी प्रारूपों में खेलने वाले पाकिस्तान के खिलाड़ियों को इस श्रृंखला से आराम दिए जाने की उम्मीद है।

हरमनप्रीत व गुरजीत साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

श्रीजेश व सविता पूनिया सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की दौड़ में शामिल

लुसाने। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और गुरजीत कौर को एफआईएच के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी(महिला एवं पुरूष) पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

भारतीय खिलाड़ी लगभग सभी श्रेणियों में जगह बनाने में सफल रहे जहां पीआर श्रीजेश पुरुष वर्ग में साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बनने की दौड़ में शामिल हैं तो वहीं महिला वर्ग में सविता पूनिया को इस खिताब के लिए नामांकन मिला है। भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड और महिला टीम के उनके समकक्ष शोर्ड मारिन पुरुषों और महिलाओं के लिए एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ कोच के लिए नामांकित हैं। हरमनप्रीत ने टोक्यो ओलिंपिक में अपनी ड्रैग-फ्लिक से आठ मैचों में छह गोल किए थे, जिससे भारतीय पुरुष टीम को एतिहासिक कांस्य पदक दिलाने में मदद मिली। टीम ने इस पदक के साथ 41 साल के सूखे को खत्म किया था। गुरजीत उस भारतीय महिला टीम की एक महत्वपूर्ण सदस्य थी जो ओलंपिक कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में ब्रिटेन से हार गई थी। टीम हालांकि पहली बार ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। पंजाब की 25 साल की इस खिलाड़ी ने क्वॉर्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोल कर टीम को 1-0 से जीत दिलाई थी। गुरजीत के अलावा एफआईएच साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार की दौड़ में अर्जेंटीना की अगस्टिना अल्बर्टारियो और अगस्टिना गोरजेलेनी शामिल हैं। पुरुषों के वर्ग में हरमनप्रीत के अलावा बेल्जियम के आर्थर वैन डोरेन और अलेक्जेंडर हेंड्रिकक्स के नाम हैं।

राजधानी (न्यू वॉम्बे)

दिन	रात
278 = 7	459 = 8
359 = 7	460 = 0

शुभांक

दिन	रात
189 = 8	160 = 7
490 = 3	490 = 3

भाग्यांक

3 4 5 0

www.kalyangame.com

विश्व अंडर-20 चैम्पियनशिप : जमैका, द. अफ्रीका ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता रिले स्वर्ण

नैरोबी। जमैका और दक्षिण अफ्रीका ने महिलाओं और पुरुषों की 4 गुणा 100 मीटर स्पर्धा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जबकि बोत्सवाना और नाइजीरिया ने 4 गुणा 400 मीटर रिले का स्वर्ण पदक जीता। सेरेना कोल, टीना क्लेटन, केरिका हिल और टिया क्लेटन की जमैका चौकड़ी ने चार साल पहले जर्मनी द्वारा बनाए गए 43.27 सेकेंड के पिछले विश्व यू-20 रिकॉर्ड को तोड़ा। इस टीम ने 42.94 के विश्व रिकॉर्ड के साथ विश्व यू-20 चैंपियनशिप के इतिहास में अपनी 12वीं महिला 4 गुणा 100 मीटर पदक और पांचवां 4 गुणा 100 मीटर स्वर्ण पदक जीता।महिलाओं की 200 मीटर खिताब की विजेता, क्रिस्टीन मोबोमा ने चैंपियनशिप में रिले में नामीबियाई टीम को अपने पहले पोडियम फिनिश के लिए प्रेरित किया। मोबोमा ने 43.76 के समय के साथ एक रजत पदक जीता, जबकि नाइजीरिया ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 43.90 सेकेंड समय के साथ कांस्य पदक जीता।

ज्वेरेव व बार्टी ने जीता सिनसिनाटी मास्टर्स का खिताब

फाइनल में रूस के रुबलेव को 6-2, 6-3 से हराया

सिनसिनाटी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के पुरूष एकल वर्ग के फाइनल में रूस के एंड्री रुबलेव को 6-2, 6-3 से हराकर अपना पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया। वही एश्ले बार्टी ने टोक्यो ओलंपिक की हार की निराशा को भुलाकर शानदार वापसी करके महिला एकल का खिताब जीता। इस तरह वह बोरिस बेकर के बाद सिनसिनाटी में खिताब जीतने वाले पहले जर्मन चैंपियन खिलाड़ी बने। बेकर ने 1985 में यह खिताब अपने नाम किया था। विश्व के 5वें नंबर के खिलाड़ी ने टूर्नामेंट में पिछले छह मैचों में कभी भी मैच नहीं जीता था, लेकिन टोक्यो में अपने ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद और सीजन की अपनी चौथी टूर-स्तरीय ट्रॉफी पर कब्जा करने के लिए ज्वेरेव ने पूरे सप्ताह उच्च गुणवत्ता वाला टेनिस खेला।

बार्टी ने खिताबी मुकाबले में टीचमैन को हराया

ऑस्ट्रेलिया की दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने विश्व की 76वें नंबर की स्विट्ज़रलैंड की जिल टीचमैन को 6-3, 6-1 से हराकर वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन ट्रॉफी के रूप में साल का अपना पांचवां डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीता। बार्टी ने अपने करियर का 13वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब हासिल किया। इस तरह वह सीजन में 40 मैच जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। हार के बावजूद, टीचमैन ने इस इवेंट के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल तक के सफर में बार्टी ने शीर्ष-5 में शामिल खिलाड़ियों-नाओमी ओसाका और करोलिना प्लिस्कोवा और ओलंपिक चैंपियन बेलिंडा बेनसिक को हराया। बार्टी अब सोमवार को लगातार 83वें हफ्ते में दुनिया की नंबर 1 की कुर्सी पर पहुंचेंगी। कुल मिलाकर, अगले सप्ताह डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग के शीर्ष पर उसका 90 वां सप्ताह होगा।

सीनियर राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता गोवा में 26 से

मापुसा। स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ गोवा के तत्वावधान में 26 से 29 अगस्त 2021 तक मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम, दयानन्द बंदोडकर क्रीड़ा संकुल, पेडेम, मापुसा गोवा में सीनियर एवं मास्टर्स राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । वाको इण्डिया किक बॉक्सिंग महासंघ के महासचिव संजय कुमार एवं वाको इण्डिया आयोजन समिति के चेयरमैन अभिषेक जैन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं पैरामिलिट्री फोर्सेज के 1500 महिला और पुरुष खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग ले रहे हैं। स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ गोवा के अध्यक्ष सागर सुर्वे ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आयोजन से सम्बंधित सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति के चेयरमैन सिद्धेश नाइक ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान कोरोना महामारी के नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा एवं सुरक्षा के नियमों का भी पालन किया जाएगा। वाको इण्डिया किक बॉक्सिंग महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय नियमों के मापदंडों के अनुसार किया जा रहा है, प्रतियोगिता में किकबॉक्सिंग के सभी सात इवेंट्स जैसे पॉइंट फाइट, लाइट कांटेक्ट, किक लाइट, फुल कांटेक्ट, लो किक, के ओने रूल्स एवं म्यूजिकल फॉर्म्स को सीनियर एवं मास्टर्स कैटेगरी में आयोजित किया जाएगा।

अखिल गर्ग का पंजा, जयपुरिया स्कूल ने अरावली एकेडमी को हराया

जयपुर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित अण्डर-19 यूथ कप क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को खेले गए मैच में जयपुरिया विद्यालय ने अरावली एकेडमी को 8 विकेट से हराया। जयपुरिया ग्राउण्ड पर अरावली एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मुकुल चौधरी के 16 रन, सुनील शर्मा के 13 रन व अशोक शर्मा के 29 रन से 25.4 ओवर में 94 रन बनाए। जयपुरिया एकेडमी के लिए अखिल गर्ग ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 25 पर 5, मिहित अग्रवाल ने 2 पर 3, आर्यन किरडोलिया व नरेन्द्र षर्मा ने एक - एक विकेट लिए। जवाबी पारी में जयपुरिया स्कूल की टीम ने पुरुन्जय सिंह के 20 रन, लोकेश सैनी के 37 रन नाबाद व धर्मेश चन्देल के 19 रन नाबाद से 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। अरावली एकेडमी के लिए सोहेल खान व नरेन्द्र सिंह तोमर ने एक - एक विकेट लिया।

अमरनाथ यात्रा की छड़ी-मुबारक की तीर्थयात्रा भी संपन्न

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में लिद्दर नदी के तट पर किए गए 'पूजन और विसर्जन' के अंतिम अनुष्ठान के साथ ही अमरनाथजी की छड़ी-मुबारक की वार्षिक तीर्थयात्रा का समापन हो गया। भगवान शिव के पवित्र चांदी के गदे के साथ कुछ साधु भी थे जिन्होंने सोमवार को पहलगाम में हुए पूजन में शिरकत की। वर्तमान में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के दौरे पर रहे संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों जगदंबिका पाल, सुशील मोदी और दिग्विजय सिंह सहित अन्य सदस्यों ने भी पूजा में भाग लिया। समापन समारोह के बाद एक छोटी सभा को संबोधित करते हुए बाबा बफानी के पवित्र गदा के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरी ने कहा कि हमारे देश को विविधता का देश कहा जाता है, लेकिन भारत में लगभग हर धर्म के लोग पाए जा सकते हैं जहां कई धर्म एक साथ रहते हैं।

भाजपा को हराने के लिए चतुर चालों की जरूरत, नहीं चाहिए चर्चा पर चर्चा : शिवसेना

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना ने सोमवार को कहा कि विपक्षी पार्टियों को 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को शिकस्त देने के लिए 'कुशल और चतुर चालें' चलनी होंगी तथा प.बंगाल और महाराष्ट्र ने दिखा दिया है कि मोदी-शाह की बाजीगरी को चुनावी मैदान और राजनीति की बिसात पर रोका जा सकता है।

पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है, 'केवल एक चीज, जो आपको चाहिए वह है लड़ने की दृढ़ इच्छाशक्ति। उसमें कहा गया है कि एक निश्चित कार्य योजना समय की मांग है। शिवसेना 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे पर भाजपा से अलग हो गई थी। बाद में उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ मिल कर गठबंधन सरकार बनाई जिसे महा विकास आघाड़ी (एमवीए) का नाम दिया गया।

इस साल के शुरू में प. बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता पर पकड़ बरकरार रखी। 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी की 19 सभाएं होने के बाद भी बंगाल में ममता का ही झंडा लहराया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तमाम राजनीतिक योजनाएं, आर्थिक प्रबंधन का कोई असर नहीं पड़ा।

भाजपा को चुनावी बिसात पर हराया जा सकता है

मराठी दैनिक ने कहा कि दो साल पहले महाराष्ट्र में राजभवन की प्रतिष्ठा दांव पर लगाकर भी भाजपा राज्य में सरकार नहीं बना सकी। लेख में जाहिर तौर पर उस घटनाक्रम की ओर संकेत था जिसमें राजभवन में तड़के एक समारोह में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई थी। शिवसेना ने कहा कि प. बंगाल और महाराष्ट्र ने दिखा दिया है कि भाजपा को चुनाव के मैदान में और राजनीति की बिसात पर हराया जा सकता है। पार्टी ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों की 'जन आशीर्वाद यात्रा' का उपहास करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री यात्रा में 'सिर्फ विपक्षी दलों को अपशब्द कहने और कोसने का काम' कर रहे हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि अधिकतर मंत्री भाजपा में 'बाहरी' हैं और सालों-साल भाजपा की पालकी ढोने वाले कार्यकर्ता उस मेले में मूर्खों की तरह शामिल हो रहे हैं। शिवसेना ने कहा कि मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए विपक्षी पार्टियों को 'कुशलता और चतुरता' से कदम उठाने होंगे।

सार समाचार

गुवाहाटी सरकार को हाईकोर्ट ने दिए 45 दिन

गुवाहाटी, (एजेंसी)। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम सरकार को निचले असम के गोलपारा जिले में एक निरोधक केंद्र के निर्माण को पूरा करने के लिए सोमवार को 45 दिन का समय दिया। जस्टिस कल्याण राय सुराना ने शांतनु बोरठाकुर की रिट याचिका और कई अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को गोलपारा के मटिया में निरोधक केंद्र के निर्माण को पूरा करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया, जिनका नाम बदलकर अब पारगमन शिविर कर दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट प्रस्तावित निरोधक केंद्र के निर्माण को पूरा करने समयसीमा तय की है।

देश के पहले स्मॉग टावर का दिल्ली में उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'प्रदूषण के खिलाफ युद्ध' को और प्रभावी बनाने और दिल्ली को प्रदूषित हवा से मुक्ति दिलाने के लिए सोमवार को कनॉट प्लेस में देश के पहले स्मॉग टावर का उद्घाटन किया। श्री केजरीवाल ने दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर स्थापित वायु शोधन प्रणाली स्मॉग टावर का उद्घाटन के बाद दिल्ली वालों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदूषण के खिलाफ युद्ध में दिल्ली ने देश के पहले स्मॉग टावर की शुरुआत की है। अमेरिकी तकनीक से बना यह स्मॉग टावर हवा में प्रदूषण की मात्रा को कम करेगा।

मुठभेड़ में लश्कर कमांडर सहित दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी मारे गए। श्रीनगर के अलोची बाग में सोमवार शाम सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकियों की पहचान लश्कर के कमांडर अब्बास शेख और एक अन्य आतंकवादी साकिब मंजूर डार के रूप में की गई है। वहीं कुपवाड़ा में सोमवार को सुरक्षा बलों ने दस हथगोले बरामद किए। अन्य घटना में श्रीनगर में आतंकियो के ग्रेनेड हमले में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

यूएस दूतावास द्वारा रिकार्ड संख्या में छात्र वीजा जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी दूतावास ने कोरोना महामारी के बावजूद वर्ष 2021 में रिकार्ड संख्या में छात्र वीजा को मंजूरी दी है और 55 हजार से अधिक छात्र पढने के लिए अमेरिका जा रहे हैं जो अब तक का सर्वाधिक है। अमेरिकी दूतावास ने वक्तव्य जारी कर कहा कि आने वाले कुछ महीनों में नये समेस्टर के लिए और अधिक छात्रों के वीजा के लिए आवेदन करने की संभावना है। इस उपलब्धि पर अमेरिकी दूतावास में प्रभारी राजदूत अतुल कश्यप ने कहा कि अमेरिका में पढना भारतीय छात्रों के लिए अनौखा अनुभव है जिससे उन्हें रोजगार के अनेक अवसर मिलते हैं।

आज का इतिहास

- **1600:** ईस्ट इंडिया कम्पनी का पहला जहाज 'हेक्टर' सूरत के तट पर पहुंचा।
- **1690:** कलकत्ता शहर की स्थापना हुई।
- **1814:** ब्रिटिश सेना ने व्हाइट हाउस को आग लगाई।
- **1891:** थॉमस एडिसन को काइनेटोग्राफिक कैमरा और काइनेटोस्कोप के लिए पेटेंट मिला।
- **1914:** प्रथम विश्व युद्ध में जर्मन सेना ने नैमूर पर कब्जा किया।
- **1954:** ब्राजील के राष्ट्रपति गेटुलियो वर्गास ने इस्तीफा देने के बाद आत्महत्या की।
- **1969:** वीवी गिरि भारत के चौथे राष्ट्रपति बने।
- **1974:** फखरूद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति बने।
- **1991:** सोवियत संघ से अलग होकर यूक्रेन स्वतंत्र देश बना।

सैनिकों की तैनाती की समयसीमा 31 अगस्त से आगे बढ़ाने पर होगी चर्चा

अफगानिस्तान से सेना वापसी के फैसले को ले बैकफुट पर बाइडेन

तीसरी बार दी सफाई

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अफगानिस्तान में निकासी अभियान के लिए सैनिकों की तैनाती को 31 अगस्त की समय सीमा से आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए तीसरी बार बाइडेन ने निकासी के बारे में चर्चा की है। समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर बाइडेन ने कहा, हमारे और सेना के बीच विस्तार को लेकर चर्चा चल रही है, हमें आशा है हमें विस्तार नहीं करना पड़ेगा। जुलाई में बाइडेन ने अमेरिकी सेना को इस महीने के अंत तक अफगानिस्तान में अपने मिशन को समाप्त करने का आदेश दिया था।

अमेरिका अफगानिस्तान में फंसे लोगों को निकालने की तालिबान की इच्छा से परिचित

अमेरिकी रक्षा विभाग के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा है कि अफगानिस्तान में फंसे लोगों को निकालने में मदद करने के लिए वहां अमेरिकी सैनिकों के रहने की अवधि तथा इस मिशन को 31 अगस्त तक पूरा किए जाने की तालिबान की इच्छा से अमेरिका पूरी तरह वाकिफ है। हम उस मिशन को 31 अगस्त तक पूरा किए जाने की तालिबान की इच्छा से पूरी तरह से वाकिफ हैं और आपको जानकारी देना चाहते हैं कि हम इसे पूरा करने की योजना बना रहे हैं।

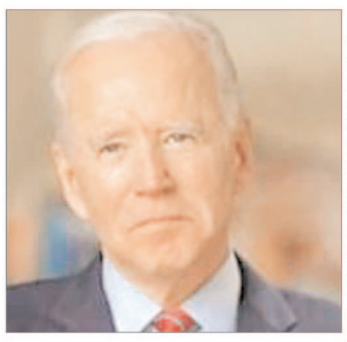

तालिबान ने कहा- अगर सेना नहीं हटाई तो भुगतना होगा अंजाम

काबुल, (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी की घोषणा के बाद से तालिबान आक्रामक है। इस बीच देश छोड़कर जाते सैनिकों को लेकर तालिबान ने अमेरिका को खुली धमकी दी है। तालिबान ने कहा है कि अगर 31 अगस्त तक सैनिकों की वापसी का काम पूरा नहीं हुआ तो अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन 31 अगस्त को अफगानिस्तान छोड़ने की बात कह चुके हैं। बाइडेन के अपनी बात से मुकरने का कोई मतलब नहीं है। तालिबान ने साफ कहा कि 31 अगस्त से एक दिन भी आगे मियाद नहीं बढ़ सकती है। अगर 31 अगस्त से एक दिन आगे की भी मोहलत अमेरिका और ब्रिटेन मांगते हैं तो उसका जवाब होगा नहीं और साथ में गंभीर परिणाम भी भुगतने होंगे।

एक अफगान अधिकारी की फायरिंग में मौत, 3 घायल

जर्मनी के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तड़के काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के एक द्वार पर गोलीबारी में अफगानिस्तान के कम से कम एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान सरकार के सुरक्षा बल भाग निकले हैं लेकिन कुछ हथियारबंद अफगान काबुल हवाईअड्डे पर मौजूद हैं और वहां से लोगों को निकालने के लिए जद्दोजहद कर रहे पश्चिमी देशों एवं अन्य की मदद कर रहे हैं। यह साफ नहीं है कि वे अफगान सीमा बलों से हैं या नहीं जो कभी हवाईअड्डे की सुरक्षा में तैनात रहते थे या फिर वे पश्चिमी सेनाओं के साथ निजी सुरक्षा गार्डों के रूप में तैनात हैं जो अभी फिलहाल वहां की सुरक्षा को देख रही है। सोमवार तड़के, मुठभेड़ हवाईअड्डे के उत्तरी द्वार पर हुई। गोलीबारी किसने शुरू की और किन हालात में हुई यह भी अभी साफ नहीं है। जर्मन सेना ने ट्वीट करके बताया कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार करीब पौने सात बजे हुई इस मुठभेड़ में अफगानिस्तान के एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। अमेरिकी सेना और नाटो ने गोलीबारी की घटना के बारे में अभी कुछ नहीं कहा है। तालिबान ने भी घटना की पुष्टि नहीं की है। वहीं काबुल हवाईअड्डे पर अराजक स्थिति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दहशत के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया है।

सरयू की बाढ़ से सैकड़ों बीघा जमीन जलमग्न

बस्ती, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में खतरे के निशान से ऊपर बह रही सरयू नदी की बाढ़ से सैकड़ों बीघा कृषि योग्य भूमि जलमग्न है।केन्द्रीय जल आयोग के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सरयू का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी का रुख कटान की ओर है। सोमवार को सुबह नदी का जल स्तर खतरे के बिन्दु 92.730 के बदले 92.910 पर था। जल स्तर मे और वृद्धि की संभावना है।इस बीच जिले के भरथापुर,कल्याणपुर तथा सन्दलपुर मे कटान शुरू हो गया है। बाढ़ खण्ड के अधिकारी कटान को रोकने के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं। सन्दलपुर गांव के किनारे नदी का पानी पहुंच गया है। धान की फसले पूरी तरह से डूब गई है।

माली-गर्ग के साथ सिद्धू ने की चार घंटे मीटिंग

जालंधर, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की कड़ी फटकार के बावजूद पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकारों की बयानबाजी जारी है। सिद्धू के सलाहकार मालविंदर सिंह माली ने फिर कैप्टन पर निशाना साधा है। इसके बाद सिद्धू ने दोनों सलाहकारों को तलब कर उनके साथ चार घंटे तक मीटिंग की। इधर, कांग्रेस हाईकमान ने दोनों सलाहकारों पर कार्रवाई के संकेत दिए हैं। सतत बयानबाजी से फजीहत के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने दोनों सलाहकारों- मालविंदर माली और डॉ. प्यारे लाल गर्ग को पटियाला बुलाया। यहां सिद्धू के साथ दोनों की चार घंटे तक मीटिंग हुई। इधर, कांग्रेस के कार्यकारी प्रधान कुलजीत नागरा ने पूरे मामले से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बयानबाजी की है, वही इस पर स्पष्टीकरण दें।

हाईकमान सख्त एक्शन लेने के मूड में

श्री आनंदपुर साहिब से सांसद व वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने इस विवाद में हाईकमान के दखल की मांग की है। तिवारी ने लिखा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए कि जो लोग देश विरोधी बयान दे रहे हैं, क्या उन्हें कांग्रेस पार्टी में होना चाहिए। सांसद मनीष तिवारी के ट्वीट पर हरीश रावत ने कहा कि उन्होंने इस मामले की जानकारी मांगी थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आपत्तिजनक फोटो को लेकर हरीश रावत ने कहा कि यह निंदनीय है। वहीं, कश्मीर पर विवादित पोस्ट को लेकर श्री रावत ने कहा कि एक बात मैं पार्टी की तरफ़ से साफ कर देना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

रेप केस के आरोपी को गुवाहाटी हाईकोर्ट ने बताया भविष्य की संपत्ति, दी जमानत

गुवाहाटी, (एजेंसी)। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले में आईआईटी गुवाहाटी के एक छात्र को जमानत दे दी। बीटेक के उस छात्र पर उसकी साथी छात्रा ने रेप का आरोप लगाया है।

कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा कि आरोपी और पीड़ित दोनों ही राज्य की भविष्य की संपत्ति हैं इसलिए अगर आरोप तय कर लिए गए हैं तो आरोपी को हिरासत में रखना जरूरी नहीं है। एजेंसी के अनुसार कोर्ट ने यह फैसला आरोपी बीटेक छात्र की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए सुनाया। जस्टिस अजीत बोरठाकुर ने कहा कि सबूतों के आधार पर प्रथमदृष्टया आरोपी के खिलाफ मामला बनता है। लेकिन आरोपी अभी युवा है और मात्र 21 साल का है इसलिए वह सबूतों के छेड़छाड़ करेगा इसकी संभावना कम है।कोर्ट ने आरोपी युवक को 30 हजार रुपए के मुचलके पर रिहा कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है और अब उसे जमानत दी जा सकती है। कोर्ट ने यह फैसला 13 अगस्त को सुनाया था। मामला 28 मार्च की रात का है जब युवक ने अपनी साथी लड़की के साथ रेप किया था। उसे चार अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

कहा, आरोपी को हिरासत में रखना जरूरी नहीं

आप ने कुंभ मेले पर कैग रिपोर्ट को लेकर योगी सरकार को घेरा

प्रयागराज, (ब्यूरो)। 19 अगस्त को प्रयागराज मे प्रधान लेखाकार ने एक प्रेस वार्ता कर सीएजी के रिपोर्ट मिडिया के सामने रखी इस रिपोर्ट के सामने आने बाद आम आदमी पार्टी ने नियंत्रक एवं लेखा महा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के आधार पर उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार के खिलाफ 2019 में प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

पार्टी के राज्यसभा सदस्य और उप्र प्रभारी संजय सिंह ने सोमवार को एक बयान में आरोप लगाया 'सीएजी की रिपोर्ट में बताया गया है कि कुभ मेले के आयोजन के लिए जो 2700 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, उनमें भारी अनियमितता बरती गई है।

चारा घोटाले से बड़ा है कुंभ महाघोटाला

कुंभ के मेले के नाम पर कितना बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है, इसका अंदाजा इससे लगा सकते है कि एक ट्रैक्टर कूड़ा ढोने का खर्च 33.50 लाख रु. जबकि कूड़ा ढुलाई मोपेड और मोटर साइकिल से हुई। उन्होंने आरोप लगाया प्रभु श्री राम का मंदिर हो, चाहे प्रयागराज का कुंभ हो, भाजपा भ्रष्टाचार का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा से कहना चाहता हूं कि कम से कम धर्म को तो बख्श दो। कभी प्रभु श्रीराम के मंदिर के नाम पर चंदा चोरी करते हो, कभी प्रयागराज के कुंभ मेले के आयोजन के नाम पर भ्रष्टाचार करते हो। पूरे उप्र की जनता आपके सच को देख रही और समय आने पर जवाब देगी। गौरतलब है कि 2019 में प्रयागराज में संपन्ल कुंभ मेले के आयोजन की लेखा परीक्षा में करोड़ों का अपव्यय सामने आया है। नगर विकास विभाग ने कुंभ मेला अधिकारी को 2,743.60 करोड़ रुपए स्वीकृत किया था।

हिमाचल को नहीं पता कोरोना कब आया, सुप्रीम कोर्ट ने ठोका जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सरकारी वकील को नहीं पता कि कोरोना की पहली लहर देश में कब आई थी। राज्य सरकार की ओर से अपील दायर करने में करीब दो साल की देरी और वकील के जवाब से खिन्न उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की खंडपीठ ने एक आपराधिक मामले में राज्य सरकार की ओर से अपील दायर करने में 636 दिन की देरी को लेकर गहरी नाराजगी जतायी और सरकारी वकील के जवाब से खिन्न होकर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। न्यायालय ने जुर्माने की राशि अपील दायर करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से वसूलने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि अधिकारियों में इस स्तर की अक्षमता देखने को मिल रही है? आप यह भी नहीं जानते कि महामारी कब आई? यही कारण है कि आप अपना काम नहीं कर रहे हैं? अपील 636 दिनों के विलम्ब से दाखिल की गई। स्पष्टीकरण का नामोनिशान भी नहीं है। मुद्दे की गंभीरता इस बात का बहाना नहीं हो सकती कि देरी के लिए राज्य को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

अपील दायर करने में 636 दिन की देरी पर जताई गहरी नाराजगी

सीनियर पदनाम पर जल्द विचार करने का संकेत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों के 'वरिष्ठ' पदनाम को लेकर दो सप्ताह के भीतर कुछ जरूरी कदम उठाए जाने को लेकर सोमवार को संकेत दिए। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि वह जल्द ही अधिवक्ताओं को 'वरिष्ठ' पदनाम संबंधी प्रक्रिया पर विचार करेगी।

न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि इस बारे में एक या दो सप्ताह में कुछ आवश्यक कार्यवाही हो सकती है।मुख्य न्यायाधीश ने ये संकेत उस वक्त दिये जब वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने 'वरिष्ठ' पदनाम को लेकर उच्च न्यायालयों द्वारा तय किए गए नियमों के संबंध में दायर याचिका को लेकर 'विशेष उल्लेख' (स्पेशल मेंशन) किया। सुश्री जयसिंह ने कुछ उच्च न्यायालयों में इसके लिए गुप्त मतदान की प्रक्रिया अपनाये जाने को निरंकुश एवं भेदभावपूर्ण करार देते हुए याचिका दाखिल की है। न्यायमूर्ति रमना ने कहा, कि एक-दो सप्ताह इंतजार कीजिए। कुछ निर्णय लिये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न न्यायालयों में सीनियर पदनाम को लेकर कुछ मुद्दे हैं। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी यह मुद्दा उठाया है।

हाईकोर्ट द्वारा तय नियमों के संबंध में दायर याचिका को ले किया विशेष उल्लेख

राजनीति

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पश्चिम बंगाल में कोरोना संकट नियंत्रित होने का दावा

उठाई सात सीटों पर जल्द उपचुनाव कराने की मांग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को चुनाव आयोग से जल्द से जल्द उपचुनाव कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग को जल्द उपचुनाव की तारीखों का ऐलान करना चाहिए। दरअसल, पश्चिम बंगाल में सात सीटों पर विधानसभा उपचुनाव लंबित हैं। माना जा रहा है जल्द ही चुनाव आयोग राज्य की सात विधानसभा सीट (जंगीपुर, शमशेरगंज, खड़दह, भवानीपुर, दीनहाटा, शांतिपुर और गोशाबा) के उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। ऐसा माना जा रहा है सीएम ममता बनर्जी भवानीपुर से उपचुनाव लड़ सकती हैं। दो मई को निकले पश्चिम बंगाल चुनाव के परिणाम में नंदीग्राम विधानसभी सीट से सीएम ममता बनर्जी हार गई थीं। उन्हें बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी ने हराया था। अब, सीएम ममता बनर्जी के भवानीपुर से टीएसमी उम्मीदवार बनने की खबर है।

ममता के पद पर बने रहने में कानूनी अड़चन आ रही सामने

तृणमूल ने मई में 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सरकार का गठन किया है। दरअसल, संविधान के आर्टिकल 164 (4) के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति विधायक या सांसद नहीं है और वह मंत्रिपद पर आसीन होता है तो उसके लिए छह महीने में विधानसभा या विधानपरिषद या संसद के दोनों सदनों में से किसी एक सदन का सदस्य बनना अनिवार्य है। अगर मंत्री ऐसा नहीं कर पाता है तो छह महीने बाद वह पद पर नहीं बना रह सकता।

टीएमसी की टेंशन का यह है कारण

चुनाव आयोग को जल्द उपचुनाव की तारीखों का ऐलान करना चाहिए। हमें जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने का अधिकार नहीं है।' बता दें इस बार के बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने तीसरी बार बहुमत हासिल किया। ममता बनर्जी लगातार तीसरी बार सीएम बनीं। वहीं, उन्हें नंदीग्राम सीट से हार मिली। उन्हें सीएम बने रहने के लिए 4 नवंबर के पहले विधायक बनना होगा। अगर टीएमसी के नेताओं को देखें तो सभी एक सुर में जल्द से जल्द उपचुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। कहीं ना कहीं सारी कोशिश ममता बनर्जी को सीएम बनाए रखने की है। इसके पहले टीएमसी नेता यशवंत सिन्हा भी पश्चिम बंगाल में जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग कर चुके हैं। इस मामले को लेकर टीएमसी नेताओं का प्रतिनिधिमंडल भी चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुका है। अब, ममता ने फिर से उपचुनाव कराने की मांग आयोग से की है।

जन वादी-जन क्रांति यात्रा 25 को पहुंचेगी प्रयागराज

प्रयागराज, (ब्यूरो)। जन वादी पार्टी सोशलिस्ट के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह चौहान के नेतृत्व मे पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार की नीतियों के विरोध में जनजागरण के लिए चलाये गए अभियान के तहत भाजपा हटाओ -प्रदेश बचाओ, जन वादी जन क्रांति यात्रा आगामी 25 अगस्त को शहर में प्रवेश करेंगी। सपा के लोग इस यात्रा का जगह-जगह स्वागत करेंगे। सपा युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी अरविन्द गिरी ने सोमवार को सपा के जिला कार्यालय जार्जटाउन में हुई पार्टी जनों की बैठक में स्वागत की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष योगेश चंद्र यादव एवं संचालन युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप यादव ने किया। बैठक में युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरी ने कहा कि भाजपा हटाओ - प्रदेश बचाओ, जन वादी जन क्रांति यात्रा बलिया जनपद से शुरू की गई है जो प्रदेश के कई जनपदों से होते हुए लखनऊ तक जाएगी। 25,26 एवं 27अगस्त को प्रयागराज जनपद के विभिन्न इलाकों में यात्रा का सपाई स्वागत करेंगे।

बीकानेर में कोरोना

बीकानेर में कोई पॉजिटिव नहीं, एक्टिव केस अभी चार, पीबीएम अस्पताल कोरोना मुक्त

बीकानेर (कासं)। रक्षा बंधन पर बीकानेर के अधिकांश डिस्पेंसरी और कोविड ओपीडी पर RTPCR जांच कम होने के कारण सोमवार को बीकानेर में कोरोना पॉजिटिव की संख्या शून्य रही, वहीं एक्टिव केस अभी भी चार पर ही अटके हुए हैं। अच्छी खबर ये है कि बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में अब भी कोरोना से संक्रमित कोई रोगी नहीं है। पिछले चार दिन से बीकानेर में हर रोज एक पॉजिटिव केस सामने आ रहा था लेकिन सोमवार को ये सिलसिला थम गया। दरअसल, रक्षा बंधन पर अवकाश होने के कारण बहुत कम टेस्ट हो पाए। महज तीन सौ टेस्ट में कोई भी केस पॉजिटिव नहीं पाया गया। मिल्ट्री हॉस्पिटल से एक सप्ताह में दो केस पॉजिटिव आने के बाद वहां भी ये सिलसिला थम गया है। इसके अलावा गंगाशहर व मुक्ता प्रसाद नगर से पॉजिटिव केस मिल रहे हैं। यहां भी अब कोई पॉजिटिव नहीं है।

अकाल की कगार पर पश्चिमी राजस्थान

30.6 लाख हेक्टेयर में से 11 लाख हेक्टेयर फसलें बचीं, बाकी सब जल गईं; जोधपुर में ही 2 हजार करोड़ का नुकसान

बीकानेर (कासं)।

पश्चिमी राजस्थान के किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी होती जा रही हैं। मौसम की बेरुखी ने किसानों को सूखे व अकाल की कगार पर खड़ा कर दिया है। हालात यह हैं कि कुल बुआई की केवल 10 प्रतिशत फसलें ही बची हैं, जिन्हें बचाने के लिए किसान भरपूर मेहनत कर रहे हैं। दैनिक भास्कर की टीम ने जोधपुर संभाग के जिलों में जाने किसानों के हालात। पश्चिमी राजस्थान में वर्षा-आधारित बारानी (असिंचित) कृषि 11.17 मिलियन हेक्टेयर, यानी कुल भौगोलिक क्षेत्र के 53.49 प्रतिशत हिस्से में होती है। इस बार मानसून पश्चिमी राजस्थान से रूठा रहा, जिसने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इधर बिजली की कटौती, कम वोल्टेज की सप्लाई, बढ़ते तापमान ने भी किसानों की कमर तोड़ने में कमी नहीं रखी। यहां तक पशुओं के लिए चारे का संकट भी खड़ा हो गया है।

जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर के किसानों के हालात गंभीर हैं। यहां 41.18 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में 30.6 लाख हेक्टेयर भूमि पर खरीब फसलों की बुआई हुई, जो कि करीब 75 फीसदी है। इसमें से केवल 11 लाख हेक्टेयर फसले बची हैं, बाकी सब नष्ट हो चुकी है।

जोधपुर जिले में कुल बुआई क्षेत्र 13 लाख हेक्टेयर है। इस बार मानसून में बारिश नहीं होने से 9 लाख हेक्टेयर पर ही बुआई हो पाई थी। इसमें से 5 लाख हेक्टेयर बारानी का है, यानी यहां सिर्फ बारिश के पानी से ही फसले संभव हैं। जून की शुरुआत में बुआई तो किसानों ने कर दी, लेकिन उसमें केवल 4 लाख हेक्टेयर में ही फसलें शेष हैं, जिन्हें बचाने के लिए किसान दिन-रात एक कर रहे हैं।

किसानों पर बिजली का झटका भी जोर से लग रहा है। एक तो बिजली कटौती, ऊपर से वोल्टेज की कमी से भी किसान परेशान हैं। 400 की जगह 300 वोल्ट की सप्लाई से ट्यूबवेल पर लगी मोटरें जलने लगी हैं। बारिश का पानी नहीं है, इसलिए सिंचाई मोटर से ही हो रही है। ऐसे में मोटर खराब होने पर उसे ठीक करवाने का खर्च तो बढ़ा ही है, सिंचाई भी बाधित हो रही है। जोधपुर में 75 हजार किसानों के पास कृषि कनेक्शन हैं। खराब वोल्टेज से 75 हजार किसान प्रभावित हो रहे हैं। वहीं ट्यूबवेल पर निर्भरता से भूमिगत जलस्तर भी गिर रहा है।

इसमें बाजरा, मूंग, मोठ व ग्वार को बड़ा नुकसान हुआ है। सिंचित क्षेत्र में भी सिंचाई के अभाव में अब तक के हालात अनुसार 30 प्रतिशत उत्पादन कम होने की आशंका है।

अगले चार दिन तक प्रदेश में कोई चेतावनी नहीं, तापमान भी बढ़ सकता है; पश्चिमी राजस्थान में सूखे के हालात

जयपुर (कासं)।

बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया का असर कम होने के बाद सोमवार से राजस्थान में मानसून फिर कमजोर पड़ने लगा है। रक्षाबंधन के दिन प्रदेश के पूर्वी हिस्से के साथ-साथ पश्चिमी हिस्सों में हुई बारिश से लोगों को राहत मिली। ये राहत ज्यादा दिन नहीं बनी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिन तक प्रदेश में बारिश के कोई आसार नहीं है। मौसम साफ रहेगा और तापमान भी बढ़ेगा, जिससे गर्मी फिर से लौटकर आएगी। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, गंगानगर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर और सिरोही इलाकों में बारिश नहीं होने से सूखे जैसे हालात बन गए हैं।

पिछले 24 घंटे की स्थिति देखें तो जयपुर, जोधपुर, चूरू, सीकर समेत पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश 32रूबारिश सीकर जिले में हुई। चूरू में 19.7, जोधपुर में 10.3 और जयपुर में कुछ जगहों पर हल्की रिमझिम बारिश हुई। बारिश के बाद आज दूसरे दिन जयपुर में मौसम सुबह साफ रहा। हवा अच्छी चलने से लोगों को उमस से राहत मिली।

6 फीसदी कम हुई बारिश

जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त के पहले सप्ताह तक पूर्वी राजस्थान में हुई तेज बारिश के बाद से मौसम सुस्त पड़ गया। 12 अगस्त तक प्रदेश में औसत बारिश 8 फीसदी ज्यादा थी, लेकिन पिछले दिनों सुस्त पड़े मानसून के कारण यह आंकड़ा घटकर अब माइनस 6 फीसदी हो गया। सामान्यत 22 जुलाई तक प्रदेश में 394.46एमएम बारिश होती है, लेकिन अब तक केवल 372.15एमएम पानी गिरा है।

इन जिलों में सामान्य से 40 फीसदी कम हुई बारिश

जल संसाधन विभाग से जारी डेटा को देखें तो इस मानसून में अब तक गंगानगर (-54.5), जोधपुर (-45.4), बाड़मेर (-49.4), जालौर (-57.8) और सिरोही (-62) ऐसे जिले हैं, जहां सबसे कम बारिश हुई है। इन जिलों में किसानों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं, दूसरी तरफ बूंदी (+50.4), कोटा (68.6), बारां (76.7) फीसदी ज्यादा बारिश हुई है।

बिखरी गैंग को खड़ा करना चाहती थी लेडी डॉन

जमानत पर आते ही कारोबारी को धमकाया, नहीं माना तो खुद घर के बाहर पहुंचकर की फायरिंग; गुर्गों के गिरफ्तार होते ही हो गई थी फरार

नागौर (कासं)।

एक साल पहले जमानत पर जेल से छूटने के बाद रविवार को लेडी डॉन अनुराधा को दिल्ली की तिहाड़ जेल से कुचामन लाया गया। अनुराधा को आज कोर्ट में पेश कर परबतसर जेल भेज दिया गया है। वहां, शिनाख्त परेड के बाद वापस रिमांड पर लिया जाएगा। दरअसल, आर्थिक तंगी और बिखरते गिरोह के आपराधिक साम्राज्य के चलते राजस्थान की लेडी डॉन अनुराधा चौधरी ने कुचामन शहर के सट्टा कारोबारी सुनील कुमार गौड़ को वीडियो कॉल कर धमकाया था। रुपयों की डिमांड भी की थी, लेकिन सुनील ने पुलिस में मामला दर्ज करवा दिया। 4 महीने बाद लेडी डॉन अनुराधा चौधरी ने गुर्गे भेज उसके घर के बाहर फायरिंग करा दहशत फैलाई थी। सूत्रों की मानें तो इस गोलीबारी के दौरान मौके पर मौजूद थी। इसे लेकर सट्टा कारोबारी ने दो मामले दर्ज कराए थे। एक साल से नागौर पुलिस लेडी डॉन अनुराधा की तलाश कर रही थी, लेकिन वो कभी नागौर पुलिस के हाथ नहीं लगी। इस बीच जिले में कई बड़े अपराधों में उसका नाम सामने आता रहा।

23 दिन पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने कुख्यात गैंगस्टर और पति काला जठेड़ी के साथ लेडी डॉन अनुराधा चौधरी को यूपी के सहारनपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के समय लेडी डॉन के पास से पिस्टल और जठेड़ी के पास रिवॉल्वर बरामद की गई थी। 14 दिन की पुलिस पूछताछ के बाद उसे तिहाड़ जेल की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया था। अब दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद राजस्थान की लेडी डॉन अनुराधा को कुचामन पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाई है। कुचामन शहर के सट्टा कारोबारी सुनील कुमार गौड़ ने बताया था कि 25 अगस्त 2020 को एक स्विफ्ट कार में सवार होकर बहादुर सिंह डाबड़ा और श्याम सिंह नाम के बदमाश कुचामन कृषि मंडी स्थित उसके घर आए। आवाज देकर उसे घर के बाहर बुलाया। दोनों ने मोबाइल से वीडियोकॉल पर लेडी डॉन अनुराधा से बात करवाई। फोन पर लेडी डॉन ने सट्टा कारोबारी सुनील कुमार गौड़ को कहा कि पहले आनंदपाल के टाइम जो हिसाब-किताब करते थे, वह अभी भी करना है और इसे चालू रखो। डरे हुए सट्टा कारोबारी ने फोन पर हामी भी भर दी।

#राजस्थान_सतर्क_है

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

Rajiv@75
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

"यदि किसान कमज़ोर हो जाते हैं तो देश आत्मनिर्भरता खो देता है,
लेकिन अगर वे मज़बूत हैं तो देश की स्वतंत्रता भी मज़बूत हो जाती है"
-राजीव गांधी

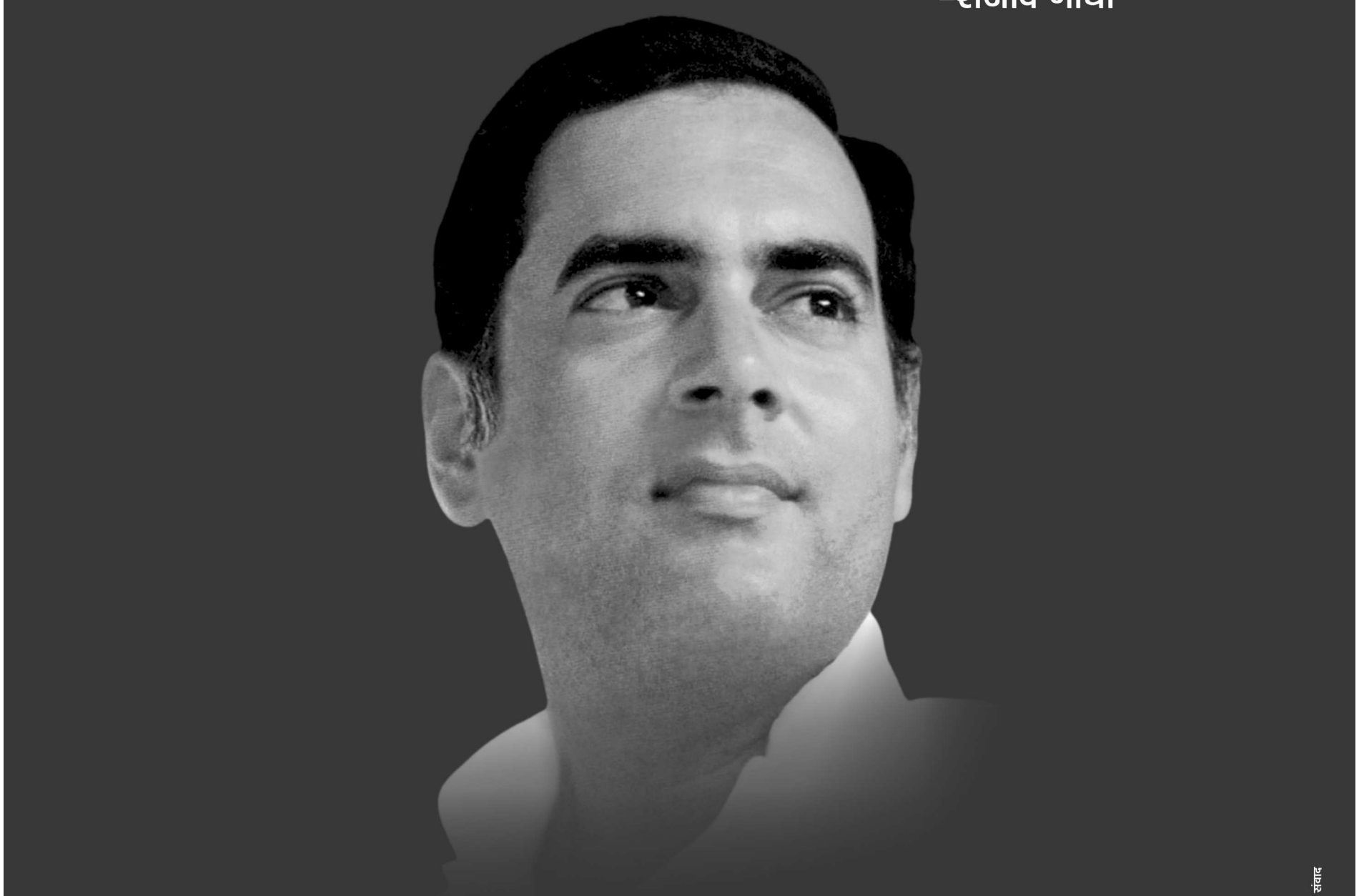

राजस्थान संवाद

राजीव गांधी
(20 अगस्त 1944 - 21 मई 1991)
की 77वीं जयंती
सद्भावना दिवस
पर उन्हें शत-शत नमन

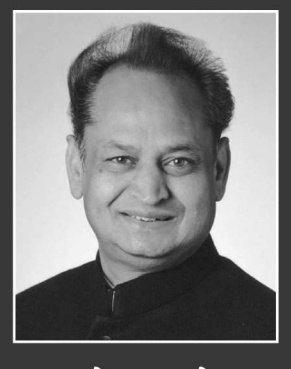

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति विकास कुमार मीना के नाम से एक कार पंजीकृत है। कार का रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ 34 TA 1392 है। मेरे पति का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस कार को अपने नाम हस्तान्तरण करवाना चाहती हूँ। अत: किसी को आपत्ति हो तो सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, करौली को सूचित करें।

विनीता मीना पत्नी स्व. श्री विकास कुमार मीना,
पारला खालसा,
टोडाभीम, जिला- करौली

प्रदेश का सर्वांगीण विकास मुख्यमंत्री श्री गहलोत की सर्वोच्च प्राथमिकता-डॉ. कल्ला

बीकानेर (कासं)। ऊर्जा तथा जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा राज्य सरकार इस दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। डॉ. कल्ला सोमवार को पवनपुरी स्थित अपने आवास पर आमजन से मिल रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सड़क, पेयजल तथा विद्युत सुदृढ़ीकरण की दिशा में अनेक कार्य हुए हैं। प्रदेश भर में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ किए गए हैं। इन स्कूलों में लगभग 3 लाख बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। अनेक स्कूलों को क्रमोन्नत किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेल:badhtikalam@gmail.com